RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 263 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 21-04-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 ‘भाजपा का मुख्यमंत्री बनते ही बिहार में अपराधियों की मौज’

6 भारतीय जहाजों पर फायरिंग के मायने?

7 हम अब विश्वगुरु नहीं हैं; संस्कृत को बढ़ावा देने की आवश्यकता : जोशी

फर्स्ट टेक

जापान में 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

टोक्यो/एपी। उत्तरी जापान के तटीय क्षेत्र के पास 7.4 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया और जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने स्थिति को देखते हुए सुनामी का अलर्ट जारी किया है। एजेंसी ने बताया कि स्थानीय समयानुसार शाम चार बजकर 53 मिनट पर आए इस भूकंप का केंद्र उत्तरी जापान के सनरिकु तट के पास समुद्र की सतह से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में था। एजेंसी के अनुसार, कुजी बंदरगाह पर करीब 80 सेंटीमीटर (2.6 फुट) ऊंची लहरे उठीं, जबकि इसी प्रांत के एक अन्य बंदरगाह पर लगभग 40 सेंटीमीटर (1.3 फुट) ऊंची लहर दर्ज की गई।

संसद के बजट सत्र का हुआ सत्रावसान

नई दिल्ली/भाषा। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चितकाल तक के लिए स्थगित होने के बाद सोमवार को बजट सत्र का सत्रावसान हो गया। लोकसभा और राज्यसभा सचिवालयों द्वारा जारी अलग-अलग बयानों के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को सत्रावसान कर दिया। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू हुआ था और इसका पहला चरण 13 फरवरी तक चला था। इसका दूसरा चरण नौ मार्च से शुरू हुआ और सरकार ने पहले घोषणा की थी कि यह दो अप्रैल तक चलेगा। लेकिन दो अप्रैल को संसद के दोनों सदनों में घोषणा की गयी कि तीन दिवसीय विशेष बैठक 16 से 18 अप्रैल को होगी। सत्र को बीते शनिवार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। इस सत्र के दौरान सरकार ने नौ विधेयक पारित करवाए।

पंजाब में बेअदबी रोधी कानून अधिसूचित

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब सरकार ने सोमवार को ’जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026’ को अधिसूचित कर दिया। इस नए कानून में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी करने वालों के लिए उम्रकैद और 25 लाख रुपये तक के भारी जुर्माने सहित कड़े दंड का प्रावधान है। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया द्वारा 17 अप्रैल को इस बेअदबी विरोधी कानून को अपनी मंजूरी दिए जाने के बाद आधिकारिक राजपत्र में यह अधिसूचना जारी की गई है। इस विधेयक को 13 अप्रैल को पंजाब विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित कर राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा गया था। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने सोमवार को इस अधिसूचना की जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच ’एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, यह गुरु साहिब के सर्वोच्च सम्मान और गरिमा को बनाए रखने के लिए भगवंत मान सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

21-04-2026 सूर्यास्त 6:22 बजे	22-04-2026 सूर्योदय 5:52 बजे
BSE 78,520.30 (+26.76)	NSE 24,364.85 (+11.30)
सोना 15,990 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 263,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कूढ़मगज लोग

भाषाओं को यदि बाँध दिया,
धर्मों के थोथे बंधन में।
तो फर्क नहीं कर पाएंगे,
हम कभी नीम व चंदन में।
भाषाएं देती संस्कार,
मानव के जड़ चेतन मन में,
आओ तज कूढ़मगजियां सब,
हर भाषा के अभिनंदन में।।

भागवत ने भारत में संस्कृत के अधिक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया

■ ‘भारत को जानना और समझना’ आवश्यक है, साथ ही इसके ‘ज्ञान की संपूर्ण संपदा’ को भी समझना होगा, ताकि इसे जीवंत रखा जा सके और आगे बढ़ाया जा सके।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने देश में संस्कृत के अधिक प्रचार-प्रसार की सोमवार को पुरजोर वकालत की और कहा कि इसके प्रसार में वृद्धि न केवल अन्य सभी भारतीय भाषाओं को समृद्ध करेगी और उनके बीच एक सेतु का काम करेगी, बल्कि लोगों को भारत के प्राचीन विचारों और संस्कृति से भी जोड़ेगी।

भागवत ने ‘संस्कृत भारती’ के नवनिर्मित केंद्रीय कार्यालय के उद्घाटन के लिए यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ‘भारत’ नाम केवल भौगोलिक नहीं है। उन्होंने कहा, ‘‘ भारत एक परंपरा है, एक आधार है जिस पर जीवन का प्रवाह निरंतर बना रहता है। यह एक ऐसी परंपरा है जो संपूर्ण ब्रह्मांड में जीवन को बनाए रखती है, जिसमें इसके सभी सजीव और निर्जीव घटक शामिल हैं। विश्व को इस परंपरा की निरंतर आवश्यकता है और इस आवश्यकता को पूरा करना उन लोगों का कर्तव्य है जो स्वयं को भारतीय मानते हैं।’’

भागवत ने कहा कि इसके लिए ‘भारत को जानना और समझना’ आवश्यक है, साथ ही इसके ‘ज्ञान की संपूर्ण संपदा’ को भी समझना होगा, ताकि इसे जीवंत रखा जा सके और आगे बढ़ाया जा सके।’’

उन्होंने कहा, ‘‘यदि ये सब करना है, तो भारत को समझने के लिए संस्कृत को समझना अनिवार्य है। भारत में अनेक भाषाएं हैं। भारत की प्रत्येक भाषा अपने आप में एक राष्ट्र भाषा है। लेकिन इन विविध राष्ट्र भाषाओं को जोड़ने वाली कड़ी क्या है? वह है संस्कृत।’’

आने वाले दशक की सफलता की कहानियों की नींव रख रहे हैं भारत और दक्षिण कोरिया

अयोध्या की राजकुमारी सूरीरत्ना, कोरिया के राजा किम सुरो की कहानी हमारी साझी विरासत : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत और दक्षिण कोरिया ने सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों में सहयोग सहित कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अयोध्या की राजकुमारी सुरीरत्ना और कोरियाई राजा किम सूरो की कथा का हवाला देते हुए भारत और दक्षिण कोरिया के बीच प्राचीन सांस्कृतिक संबंधों पर जोर दिया।

हैदराबाद हाउस में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ व्यापक वार्ता के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि आज भारत में के-पॉप, के-ड्रामा बहुत लोकप्रिय हो रहे हैं। उसी तरह, कोरिया में भी भारतीय सिनेमा और संस्कृति की पहचान बढ़ रही है। उन्होने कहा, 2000 साल पहले, अयोध्या की राजकुमारी सूरीरत्ना और कोरिया के राजा किम सुरो की कहानी हमारी साझा विरासत है।

‘अतुल्य भारत’ की आधिकारिक वेबसाइट पर इस प्राचीन सांस्कृतिक संबंधों पर एक विस्तृत लेख उपलब्ध है।

कोरिया में उन्हें रानी हेओ ह्वांग-ओक के नाम से जाना जाता था। उत्तर प्रदेश सरकार और दक्षिण कोरिया के गिम्हे शहर के संयुक्त प्रयास से 2001 में निर्मित उनका स्मारक, रानी हेओ ह्वांग-ओक की महान यात्रा द्वारा निर्मित स्थायी संबंधों का एक जीवंत प्रमाण है।

अतुल्य भारत वेबसाइट के लेख के मुताबिक, जैसा प्रतिष्ठित कोरियाई ग्रंथ सामगुक युसा में दर्ज है, अयोध्या की यह पुत्री – जिसे वहां रानी हेओ ह्वांग-ओक के नाम से जाना जाता है – ने दैवीय आदेश पर एक खतरनाक समुद्री यात्रा की थी। इसके अनुसार, ऐसा कहा जाता है कि स्वयं देवताओं ने ही कराक वंश के राजा किम सूरो के साथ उनके विवाह की व्यवस्था की थी...।

सोमवार को, भारत और दक्षिण कोरिया ने दोनों नेताओं की उपस्थिति में सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों में सहयोग सहित कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, संस्कृति और रचनात्मक उद्योग में, आपसी सहयोग के माध्यम से, हम फिल्म, एनिमेशन और गेमिंग के क्षेत्रों में भी नए संपर्क स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा, हमे बहुत खुशी है कि राष्ट्रपति ली खुद भारतीय सिनेमा के प्रशंसक हैं। इस सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए, हम 2028 में भारत-कोरिया मैत्री उत्सव आयोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि जन-जन संबंधों को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा, अनुसंधान सहयोग और पर्यटन को प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा, हम आने वाले दशक की सफलता की कहानियों की नींव रख रहे हैं।

‘एक्स’ पर बाल यौन शोषण की तस्वीरें साझा किए जाने के मामले में
फ्रांस ने किया मस्क को तलब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/एपी। फ्रांस ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर बाल यौन उत्पीड़न की तस्वीरें और ‘डीपफेक कंटेंट’ साझा किए जाने से जुड़े आरोपों की जांच के सिलसिले में सोमवार को अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क को समन भेजा है। पेरिस के अभियोजन कार्यालय ने कहा कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क और ‘एक्स’ की पूर्व सीईओ लिंडा याकारिनो को ‘‘स्वैच्छिक पूछताछ’’ के लिए तलब किया गया है, जबकि ‘एक्स’ के अन्य कर्मचारियों को इस सप्ताह गवाह के रूप में पेश होना है।

मस्क को फरवरी में ‘एक्स’ के फ्रांस स्थित दफ्तरों में हुई छापेमारी के बाद तलब किया गया था। यह छापेमारी जनवरी 2025 में पेरिस अभियोजक कार्यालय की साइबर अपराध इकाई द्वारा शुरू की गई जांच के तहत ली गई थी। मस्क और याकारिनो उस समय ‘एक्स’ का प्रबंधन संभाल रहे थे। याकारिनो मई 2023 से जुलाई 2025 तक कंपनी की सीईओ रहीं।

अभियोजकों ने कहा, ‘‘कंपनी के अधिकारियों के साथ ये स्वैच्छिक पूछताछ उन्हें तथ्यों पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने और, यदि आवश्यक हो, तो अनुपालन के लिए प्रस्तावित उपायों को प्रस्तुत करने का अवसर देने के लिए हैं।’’ उन्होंने कहा, ‘‘इस चरण में जांच की प्रक्रिया एक रचनात्मक दृष्टिकोण के तहत जारी है, जिसका अंतिम उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ‘एक्स’ फ्रांस में काम करते समय फ्रांसीसी कानूनों का पालन करे।’’

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में भयानक बस हादसा, 21 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में सोमवार को एक बस के पहाड़ी मार्ग से गिरने के कारण 21 लोगों की मौत हो गई और 29 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि बस ने एक ऑटो-रिक्शा को भी अपनी चपेट में ले लिया जिससे तीपहिया वाहन में सवार लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि यह हादसा सुबह करीब 10 बजे रामनगर क्षेत्र में एक तीखे मोड़ पर उस वक्त हुआ जब निजी बस का चालक नियंत्रण खो बैठा। पहाड़ी मार्ग से गुजर रहे सेना के एक काफिले ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया।

बस में करीब 50 यात्री सवार थे जिनमें अधिकांश अपने दैनिक कामकाज के लिए रामनगर से उधमपुर जा रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसका ऊपरी हिस्सा लगभग पूरी तरह उखड़ गया जिससे बचाव अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया।

उधमपुर-रियासी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक शिव कुमार शर्मा ने घटनास्थल पर संवाददाताओं से कहा, रामनगर से उधमपुर जा रही बस पहाड़ी रास्ते पर नियंत्रण खो बैठी और ढलान से नीचे गिरकर सड़क पर पलट गई तथा एक ऑटो-रिक्शा भी इसकी चपेट में आ गया। मौके पर 15 यात्रियों को मृत पाया गया जबकि चार अन्य ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया।

अधिकारियों ने बताया कि उधमपुर जिला अस्पताल में इलाज के दौरान गंभीर रूप से घायल दो और लोगों की मौत हो गई जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हो गई।

शर्मा ने कहा कि स्थानीय निवासियों ने बचाव कार्य में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रामनगर के थाना प्रभारी और अन्य अधिकारी समेत पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर सेना के जवानों के साथ संयुक्त बचाव अभियान चलाया। बाद में हाइड्रोलिक क्रेन की मदद से वाहन को सीधा किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात और जम्मू जोन के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी फोन पर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

उद्घाटन से पहले ही पचपदरा रिफाइनरी में भीषण आग लगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के बालोतरा जिले में पचपदरा रिफाइनरी में सोमवार को आग लग गई। ठीक एक दिन बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका उद्घाटन करने वाले थे।

अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के बाद प्रधानमंत्री का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि रिफाइनरी में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई लेकिन किसी के हताहत होने का समाचार नहीं है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार आग रिफाइनरी के ’क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट’ में लगी।

अधिकारियों ने बताया कि दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंची गईं और आग बुझाने की कोशिशें जारी हैं।

अधिकारियों का कहना है कि हालात को काबू करने के लिए आपातकालीन टीमों को लगाया गया है तथा किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आज का प्रस्तावित दौरा भी रद्द कर दिया गया।

पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान वार्ता के दूसरे दौर को लेकर अनिश्चितता का माहौल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। अमेरिका और ईरान के एक दूसरे को लेकर कड़े तेवर अपनाए जाने के बीच बहुचर्चित शांति वार्ता के दूसरे दौर पर सोमवार को अनिश्चितता छाई रही।

आगामी दिनों में दोनों पक्षों के इस्लामाबाद में मिलने की उम्मीद है, जिसके लिए पाकिस्तानी अधिकारियों ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है।

अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह का युद्धविराम बुधवार को समाप्त होने वाला है।

सोमवार को ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने कहा कि उनके देश ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह अमेरिका के साथ वार्ता के अगले दौर में भाग लेगा या नहीं। इससे पहले, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालीबाफ ने कहा था कि तेहरान अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखे हुए है, लेकिन नए सिरे से तनाव बढ़ने की आशंकाओं के बीच आवश्यक उपाय करने के लिए तैयार है।

ईरान में युद्ध में अब तक 3,300 से अधिक लोगों की मौत

दुबई/एपी। ईरान ने सोमवार को बताया कि इजराइल और अमेरिका के साथ युद्ध में उसके अब तक कम से कम 3,375 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा ईरान के विधिक चिकित्सा संगठन के प्रमुख अब्बास मस्जेदी की ओर जारी किया गया। न्यायपालिका की समाचार एजेंसी ‘मिजान’ समेत अन्य माध्यमों ने सोमवार को मस्जेदी के हवाले से बताया कि मारे गए लोगों में से केवल चार की पहचान नहीं हो पाई है। उन्होंने यह ब्योरा नहीं दिया कि हताहतों में कितने आम नागरिक हैं और कितने सुरक्षा बल के जवान हैं, केवल इतना बताया कि मारे गए लोगों में 2,875 पुरुष और 496 महिलाएं शामिल हैं।

वार्ता में शामिल होने की अभी कोई योजना नहीं : ईरानी विदेश मंत्रालय

तेहरान/एपी। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को कहा कि तेहरान की फिलहाल अमेरिका के साथ किसी भी वार्ता में शामिल होने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने वार्ता में ईरान की भागीदारी की संभावना से इनकार नहीं किया। इस्लामाबाद के अधिकारी वार्ता के एक और दौर की तैयारी कर रहे थे जो संभवतः इस सप्ताह होती। बघाई ने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, अभी तक... जब मैं यहां हूं... हमारे पास बातचीत के अगले दौर के लिए कोई योजना नहीं है और इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

अमेरिकी नौसेना ने ईरानी जहाज जब्त किया

दुबई/एपी। ईरान के झंडे वाले मालवाहक जहाजों को अमेरिकी नौसेना द्वारा जबरन जब्त किए जाने के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस घोषणा पर संशय पैदा हो गया है कि अमेरिकी वार्ताकार ईरान के साथ एक और दौर की वार्ता के लिए सोमवार को पाकिस्तान रवाना होंगे। रविवार को ट्रंप की इस घोषणा के बाद बुधवार को खत्म होने जा रहे युद्धविराम की अवधि बढ़ने की उम्मीदें पैदा हो गई थीं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को कहा कि ईरान ने अभी तक अमेरिका के साथ वार्ता में शामिल होने की कोई योजना नहीं बनाई है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका ने रविवार को होर्मुज जलडमरुमध्य के निकट नौसेना की नाकाबंदी पार करने की कोशिश करने वाले मालवाहक जहाज को जब्त कर लिया है। पिछले सप्ताह ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी शुरू होने के बाद से अमेरिकी नौसेना ने पहली बार किसी जहाज को रोका है।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का श्रीलंका दौरा संपन्न, कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने श्रीलंका की अपनी दो दिवसीय यात्रा का सोमवार को समापन किया। इस दौरान उन्होंने द्वीपीय राष्ट्र के शीर्ष नेतृत्व के साथ वार्ता की और दोनों देशों ने द्विपक्षीय सहयोग को प्रगाढ़ करने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। राधाकृष्णन श्रीलंका का दौरा करने वाले पहले उपराष्ट्रपति हैं। वह रविवार को कोलंबो पहुंचे और राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ बातचीत की। अधिकारियों ने बताया कि राधाकृष्णन ने भारत की ’पड़ोस पहले’ नीति और विकासात्मक द्विपक्षीय सहयोग पर जोर दिया।

उपराष्ट्रपति कार्यालय ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ‘‘दोनों नेताओं ने साझा इतिहास, मजबूत सभ्यतागत और लोगों के आपसी संबंधों पर आधारित बहुआयामी भारत-श्रीलंका संबंधों को और प्रगाढ़ करने पर सार्थक चर्चा की।’’ उन्होंने भारतीय आवास परियोजना और श्रीलंका में चक्रवात ‘दित्वा’ से प्रभावित क्षेत्रों के लिए 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के पैकेज के तहत कार्यान्वित की जा रही परियोजनाओं सहित विभिन्न पहल पर व्यापक चर्चा की। इनमें खास तौर पर भारतवंशी तमिल समुदाय के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में किए जा रहे प्रयासों पर ध्यान दिया गया।

दोनों पक्षों ने मछुआरों के मुद्दे पर भी मानवीय दृष्टिकोण से चर्चा की, जिसमें दोनों देशों के मछुआरा समुदायों की आजीविका को ध्यान में रखा गया।

वार्ता के बाद, दोनों पक्षों ने छह समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें मुल्लातिवु में एक चिकित्सा वार्ड का निर्माण, समय से पहले जन्मे शिशुओं के लिए देहिअट्टाकंदिया में एक इकाई की स्थापना, मुथुर में नेत्र रोग, कान, नाक और गले के रोगों और मानसिक स्वास्थ्य इकाइयों का निर्माण शामिल हैं। भारत ने प्रवासी भारतीयों की छठी पीढ़ी तक ओसीआई (प्रवासी भारतीय नागरिक) पात्रता का विस्तार करने और भारतीय मूल के तमिल समुदाय के लाभ के लिए प्रक्रिया को सरल बनाने की भी घोषणा की।

मोदी के झालमुड़ी वीडियो को इंस्टाग्राम पर 10 करोड़, फेसबुक पर नौ करोड़ बार देखा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रविवार को पश्चिम बंगाल में चार जनसभाओं के बीच झालमुड़ी की एक दुकान पर जाने के वीडियो को इंस्टाग्राम पर 24 घंटे के भीतर 10 करोड़ बार और फेसबुक पर लगभग नौ करोड़ बार देखा गया है।

सूत्रों ने यह भी बताया कि झालमुड़ी के लिए गूगल सर्च पिछले 22 वर्षों में सबसे अधिक है। मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल में अपने चुनाव प्रचार दौरे के दौरान अचानक रुके और झाड़ग्राम में लोकप्रिय बंगाली स्ट्रीट फूड झालमुड़ी का स्वाद लिया। झालमुड़ी मुरमुरे, हरी मिर्च और अन्य मसालों से बनाया जाती है। एक सूत्र ने बताया, प्रधानमंत्री मोदी के पश्चिम बंगाल में झालमुड़ी की एक दुकान पर जाने के वीडियो को इंस्टाग्राम पर 24 घंटे के भीतर 10 करोड़ बार और फेसबुक पर लगभग नौ करोड़ बार देखा गया।

मोदी ने झालमुड़ी का स्वाद लिया और बाद में उसकी तस्वीर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर तीन पोस्ट किए जिसमें उन्होंने अपने दौरे का एक वीडियो भी पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, एक व्यस्त रविवार को पश्चिम बंगाल में चार सार्वजनिक सभाओं के बीच, मैंने झाड़ग्राम में स्वादिष्ट मसालेदार मुरमुरे (झालमुड़ी) का आनंद लिया।

धीरेंद्र शास्त्री ने ज्ञानवापी मस्जिद को बताया 'कलंक': बरेली के मौलाना ने की बयान की तीखी आलोचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/बरेली (उप्र)/भाषा। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने सोमवार को कथित रूप से वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद को 'कलंक' करार देते हुए कहा कि ज्ञानवापी मामले में अदालत का फैसला आने के बाद उस पर जलाभिषेक होगा और भगवा ध्वज लहराया जाएगा।

उधर, बरेली में 'आल इंडिया मुस्लिम जमात' के अध्यक्ष मौलाना शहाबउद्दीन रजवी ने शास्त्री के इस बयान की आलोचना करते हुए कहा है कि धीरेंद्र शास्त्री झूठ बोल रहे हैं और मस्जिद को कलंक बताकर अच्छे-भले माहौल को खराब करना चाहते हैं।

वाराणसी में एक निजी शोरूम का उदघाटन करने आये शास्त्री ने ज्ञानवापी मस्जिद की तरफ इशारा करते हुए कथित रूप से कहा कि काशी में बाबा विश्वनाथ के बगल में जो 'कलंक' लगा हुआ है, उसके मामले में जल्द ही न्यायालय का फैसला आयेगा। उन्होंने कहा कि अदालत का निर्णय आने के बाद वहां जलाभिषेक होगा और भगवा

लहराया जाएगा।

'आल इंडिया मुस्लिम जमात' के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद दरअसल एक मस्जिद है और उसे कलंक कहना सरासर गलत है।

मौलाना ने आरोप लगाया कि पंडित धीरेंद्र शास्त्री ज्ञानवापी मस्जिद पर भगवा लहराने की बात कहकर बहुसंख्यक समुदाय के लोगों को उकसाना और भड़काना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर अदालत में मुकदमा लम्बित है और अदालत जो भी फैसला करेगी वह सबके लिए मान्य होगा, मगर शास्त्री इस तरह की बयानबाजी करके मुकदमे को प्रभावित करना चाहते हैं।

रजवी ने कहा कि अदालत को चाहिए कि वह शास्त्री के इस भड़काऊ और आपत्तिजनक बयान का स्वत: संज्ञान लेकर उन्हें तलब करे और पूछे कि वह आखिर ऐसी बयानबाजी क्यों कर रहे हैं।

रजवी ने कहा कि कोई भी मंदिर तोड़कर मस्जिद नहीं बनाई जा सकती क्योंकि शरीयत किसी भी मुसलमान को इस बात की इजाजत नहीं देती है। उन्होंने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं शास्त्री को बताना चाहता हूं कि ज्ञानवापी मस्जिद है और कयामत तक मस्जिद ही रहेगी। मस्जिद के नाम पर किसी से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

भाजपा सीधे मुकाबला नहीं कर सकती, परिवार को निशाना बना रही : उमर

राजौरी/जम्मू/भाषा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को विपक्षी भारतीय जनता पार्टी पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि यह पार्टी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के रिश्तेदारों को निशाना बना रही है और इसे सीधे मुकाबले में हार का डर है। नॉशेरा सीमा क्षेत्र के राजौरी जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए अब्दुल्ला ने कहा, क्या आपकी (भाजपा की) प्रणाली इतनी कमजोर है कि आप सीधे हमारे साथ मुकाबला नहीं कर सकते और इसके बजाय हमारे परिवार के सदस्यों पर हमला करते हैं। अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि भाजपा द्वारा विपक्षी नेताओं के खिलाफ बार-बार लगाई गई शिकायतें टिकाऊ नहीं हुई हैं। उन्होंने कहा, वे (भाजपा) ऐसे तरीकों का सहारा लेते हैं, ताकि हमें परेशान किया जा सके। वे बार-बार आरोप लगाते रहते हैं, लेकिन इनमें से कोई भी आरोप सच्चाई पर खरा नहीं उतरता और इनमें से कोई भी साबित नहीं होता।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि जब छापेमारी के दौरान कुछ भी नहीं मिला, तो एजेंसियों ने परिवार के सदस्यों को परेशान करने पर ध्यान केंद्रित कर दिया। उन्होंने कहा, वे हमें परेशान करते हैं। और अगर किसी को सबसे ज्यादा निशाना बनाया गया है, तो वह मेरे सहयोगी सुरेंद्र चौधरी साहब हैं। बार-बार आप देखते हैं जब भी वह विधानसभा में बोलते हैं, वे जम्मू और कश्मीर के लिए बोलते हैं, अपने लिए कभी नहीं। वे अधिकारों, राज्य का दर्जा, भाईचारे, हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और हमारे साझा इतिहास के बारे में बोलते हैं।

प्रवचन

क्रिकेटर विराट कोहली और एक्टर अनुष्का शर्मा सोमवार को मथुरा के वृंदावन में आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद जी महाराज का प्रवचन सुनते हुए।

धर्म पर टिप्पणी से लेकर अनुचित स्पर्श तक टीसीएस की महिला इंजीनियर ने बयां किया उत्पीड़न का खौफनाक सच

मुंबई/भाषा। हिंदू धर्म के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी से लेकर प्रशिक्षण सत्रों के दौरान टीम लीडर द्वारा अनुचित स्पर्श तक टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की नासिक इकाई की एक महिला इंजीनियर ने कथित उत्पीड़न और धार्मिक जबरदस्ती की पूरी आपबीती बयां की है।

नौ प्राथमिकियों में से एक का हिस्सा रहे इस खौफनाक बयान में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि उसके उत्पीड़कों ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा को बुर्का न पहनने का परिणाम बताकर सही ठहराया और हिंदू देवी-देवताओं के बारे में भी अपमानजनक टिप्पणी की।

अधिकारियों ने बताया कि नासिक पुलिस के एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक महिला परिचालन प्रबंधक भी शामिल है। टीसीएस कार्यालय में महिला कर्मचारियों के शोषण, जबरन धर्मांतरण के प्रयास, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, छेड़छाड़ और मानसिक उत्पीड़न के आरोप सामने आने के बाद पुलिस ने नौ प्राथमिकी दर्ज की हैं।

अधिकारियों ने बताया कि नासिक पुलिस ने एक अन्य आरोपी निदा खान का पता लगाने के लिए तीन टीम बनाई हैं। इन टीम को विभिन्न स्थानों पर भेजा गया है, जिनमें से एक दल ठाणे के पास मुंब्रा पहुंचा है। इस बीच, खान ने नासिक सत्र न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है, जिस पर सोमवार को सुनवाई होगी।

पीड़िता ने अपने बयान में आरोप लगाया है कि जून 2025 से मार्च 2026 के बीच पांच आरोपियों ने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया, उसका पीछा (स्टॉकिंग) किया और जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई। शिकायत के अनुसार, एक आरोपी ने हिंदू देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी की और यहां तक कहा कि बलात्कार इसलिए होते हैं, क्योंकि महिलाएं बुर्का नहीं पहनतीं। महिला कर्मचारी का दावा है कि उसके टीम लीडर ने औपचारिक प्रशिक्षण के बहाने उसे गलत तरीके से छुआ और गुड़ी पाड़वा उत्सव के दौरान कार्यालय की पैंट्री में एक अन्य आरोपी ने उसके साथ छेड़छाड़ की।

पहचान छिपाने के लिए लश्कर का सबसे पुराना आतंकी अलग-अलग पेशे अपनाता रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/नई दिल्ली/भाषा। जम्मू-कश्मीर के बाहर आतंकी ठिकाने स्थापित करने का जिम्मा संभालने वाला लश्कर-ए-तैयबा का आतंकवादी अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा अपनी पहचान छिपाने के लिए अलग-अलग पेशे अपनाता रहा। वह कभी रसोइया, कभी प्लंबर, तो कभी पेंटर और इलेक्ट्रीशियन बनकर रहा। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि लश्कर-ए-तैयबा के सबसे पुराने आतंकी अब्दुल्ला ने देश के विभिन्न हिस्सों जैसे राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में अपने ठिकानों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पूछताछ के दौरान उसने इन राज्यों में अपने ठहरने का पूरा ब्योरा दिया और यह भी बताया कि स्थानीय लोगों के बीच घुलने-मिलने के लिए उसने कौन-कौन से पेशे अपनाए।

ये विवरण तब सामने आए जब श्रीनगर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा के एक 'गहरी पैठ वाले' अंतरराज्यीय मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और अब्दुल्ला सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया, जो 16 साल से फरार था।

अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान में छोटे-मोटे काम करने के बाद अब्दुल्ला, जिसने 2010 में उत्तरी हिस्से से जम्मू कश्मीर में घुसपैठ की थी, ने नलसाजी (प्लंबिंग) का काम शुरू कर दिया, क्योंकि उसे पाकिस्तान से इसके बारे में कुछ बुनियादी जानकारी थी।

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद रोधी ग्रिड में खरगोश' के उपनाम से जाने जाने वाले उमर हारिस के संपर्कों से जुड़ाव के बाद, उसने एक आधार कार्ड और फिर एक स्थायी खाता संख्या (पैन) कार्ड प्राप्त करने में कामयाबी हासिल की, ताकि वह अपने ग्राहकों से डिजिटल भुगतान प्राप्त कर सके।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के कसूर गांव के निवासी अब्दुल्ला ने अपना ठिकाना अमृतसर स्थानांतरित करने का फैसला किया था। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पकड़े जाने के डर से उसने ऐसा नहीं किया। उसकी पंजाबी बोली पर उसकी अच्छी पकड़ थी।

अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान और हरियाणा में पेंटर और इलेक्ट्रीशियन जैसे अन्य काम करने के बाद, अब्दुल्ला ने पंजाब के मलेरकोटला गांव में बसने का फैसला किया, जहां वह अपनी पंजाबी बोली में बात कर सकता था। अधिकारियों ने बताया कि लश्कर-ए-तैयबा के इस आतंकी ने कुछ समय के लिए ढाबा चलाया, इस दौरान उसने शेयर बाजार में ट्रेडिंग करना सीखा। ढाबे से ज्यादा मुनाफा नहीं हुआ, इसलिए उसने उसे बंद करने का फैसला किया, लेकिन तब तक वह यूट्यूब से शेयर बाजार में काफी अनुभव प्राप्त कर चुका था।

अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तारी के समय उसके डीमैट खाते में 50,000 रुपए से अधिक का लाभ मार्जिन था और वह दूसरों को निवेश के टिप्स भी दे रहा था।

अब्दुल्ला को इस महीने की शुरुआत में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गिरफ्तार किया था और केंद्र शासित प्रदेश के बाहर उसके द्वारा बनाए गए संभावित नेटवर्क के बारे में उससे गहन पूछताछ की जा रही है। अब्दुल्ला और एक अन्य पाकिस्तानी नागरिक उस्मान उर्फ खुबैब की गिरफ्तारी श्रीनगर पुलिस के लिए एक और बड़ी सफलता मानी जा रही है। यह कार्रवाई नवंबर 2025 में लाल किला के पास विस्फोट से जुड़े फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय के सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल के ध्वस्त किए जाने के छह महीने बाद सामने आई है।

अधिकारियों के अनुसार, पूछताछ के दौरान अब्दुल्ला ने अपने और हारिस उर्फ खरगोश के भारत भर में खासकर राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में फैले नेटवर्क और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उसने यह भी बताया कि फरार आतंकियों में से एक ने कश्मीर में एक आतंकी समर्थक की बेटी से शादी की थी।

देश के उत्तर-पश्चिमी, मध्य और पूर्वी हिस्से में आगामी चार-पांच दिन तक लू चलने का अनुमान: मौसम विभाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को कहा कि अगले चार से पांच दिन तक देश के उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के आसपास के कुछ इलाकों में लू चलने का प्रबल अनुमान है।

आईएमडी ने बताया कि हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब, पूर्वी राजस्थान, विदर्भ, छत्तीसगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, मध्य प्रदेश, पश्चिमी बंगाल में गंगा के मैदानी भाग, झारखंड, ओडिशा और पूर्वी उत्तर प्रदेश के छिटपुट इलाकों में 20 से 25 अप्रैल के बीच अलग-अलग तारीखों पर लू चलने का अनुमान है। आईएमडी ने कहा, 20 से 26 अप्रैल के दौरान पश्चिमी बंगाल में गंगा के कुछ मैदानी इलाकों; 20 से 22 अप्रैल के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल; 20 से 24 अप्रैल के दौरान केरल, माहे, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा 24 और 25 अप्रैल को गुजरात के तटीय क्षेत्रों में गर्म और उमस भरा मौसम रहने की प्रबल संभावना है।

इसके अलावा 20 और 21 अप्रैल को हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, विदर्भ, 20 अप्रैल को छत्तीसगढ़ और 20 से 22 अप्रैल के बीच ओडिशा में कुछ इलाकों में रात का तापमान बढ़ने का अनुमान है।

आईएमडी ने बताया कि सोमवार को देश के दक्षिण, मध्य, पूर्वी और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों के विभिन्न राज्यों में मध्यम से तीव्र गरज के साथ बारिश हो सकती है।

आईएमडी के अनुसार, सोमवार को मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में ओलावृष्टि का अनुमान है।

बचाव कार्य

उधमपुर जिले के रामनगर इलाके में एक पैसेंजर बस के गहरी खाई में गिरने के बाद बचाव कार्य जारी है। इस हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

भारत घरेलू उत्पादों के लिए अमेरिका में तरजीही बाजार को इच्छुक: पीयूष गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण की बातचीत के लिए वाशिंगटन में मौजूद भारतीय अधिकारियों का एक दल अमेरिका में घरेलू वस्तुओं के लिए तरजीही बाजार पहुंच से संबंधित पहलुओं पर चर्चा करेगा।

गोयल ने यहां सवांददाताओं से कहा, हमने उनके साथ मुक्त व्यापार समझौते को लगभग अंतिम रूप दे दिया है। यह द्विपक्षीय व्यापार समझौते का पहला चरण है। उन्होंने, हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि वह कौन सी प्रणाली हो सकती है जिसके द्वारा भारत को अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में अमेरिकी बाजार में तरजीही बाजार पहुंच मिल सके।

गोयल ने कहा कि भारतीय टीम वाशिंगटन में रहते हुए इन पहलुओं पर चर्चा करेगी।

अमेरिकी अधिकारियों के साथ तीन दिवसीय व्यापार वार्ता के लिए भारतीय अधिकारियों का एक दल वाशिंगटन में हैं। चूंकि अमेरिका में शुल्क परिदृश्य बदल गया है, इसलिए दोनों पक्ष समझौते की रूपरेखा पर पुनर्विचार करना चाहेंगे। समझौते की रूपरेखा पर सात फरवरी को

संयुक्त बयान जारी किया गया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई देशों पर लगाए गए व्यापक शुल्क के खिलाफ अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद, ट्रंप प्रशासन ने 24 फरवरी से 150 दिन के लिए सभी देशों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाया था। उस रूपरेखा के अनुसार, अमेरिका ने भारत पर शुल्क को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमति जताई थी। उसने रूसी तेल खरीदने पर भारतीय वस्तुओं पर लगने वाले 25 प्रतिशत शुल्क को हटा दिया था और शेष शुल्क में कटौती करने वाला था। समझौते के तहत 25 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की दरें तय की गई थीं। लेकिन 20 फरवरी को अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने ट्रंप द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्क के खिलाफ फैसला सुनाया।

सीबीआई ने बैंक धोखाधड़ी मामले में आरकॉम के दो वरिष्ठ अधिकारियों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को बताया कि एजेंसी ने अनिल अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के दो वरिष्ठ अधिकारियों को कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने गिरफ्तार अधिकारियों की पहचान आरकॉम के उपाध्यक्ष अनिल कालिया और संयुक्त अध्यक्ष डी. विश्वनाथ के रूप में की है।

केंद्रीय एजेंसी अदालत से आरोपियों की रिमांड का अनुरोध करेगी। यह जांच आरकॉम, अनिल अंबानी और अन्य आरोपियों से संबंधित है, जो भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया कि बैंक ने कंपनी को ऋण दिया, लेकिन आरोपियों की 'धोखाधड़ी' गतिविधियों के कारण बैंक को लगभग 2,929.05 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

शिकायत के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र के 17 बैंकों और वित्तीय संस्थानों को 19,694 करोड़ रुपए का अनुचित नुकसान पहुंचाया गया।

जांच में पाया गया कि आरकॉम ने कंपनी के अधिकारियों द्वारा नियंत्रित मुखौटा कंपनियों के माध्यम से घुमावदार लेन-देन किए।

प्रचार

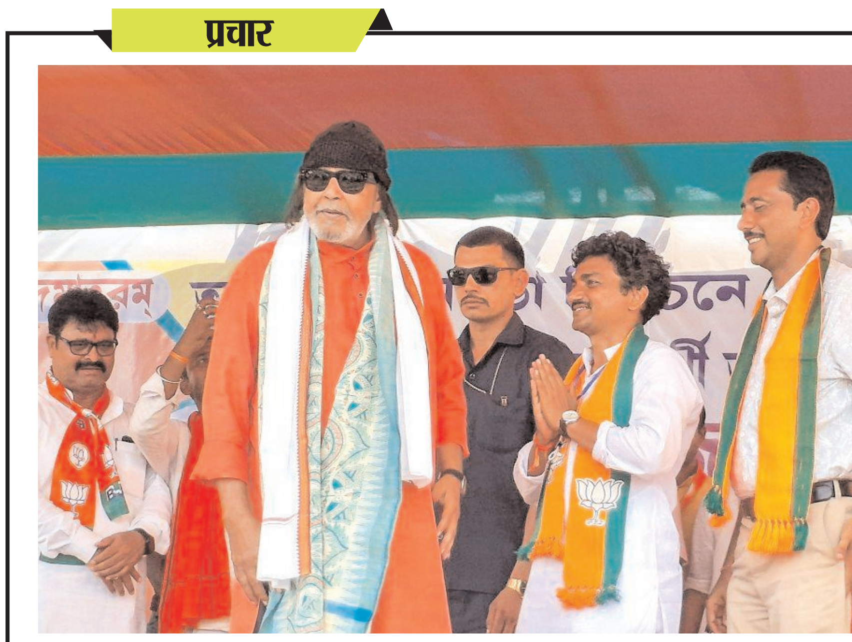

अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने दक्षिण दिनाजपुर जिले के हरिरामपुर में हरिरामपुर विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार देबब्रत मजूमदार के समर्थन में एक पब्लिक रैली को संबोधित किया।

ट्रंप के फरमान का पालन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ईरान युद्ध से पहले इजराइल गए : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

थूथुकोडी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फरमान का पालन करते हुए ईरान युद्ध शुरू होने से पहले इजराइल का दौरा किया था। राहुल ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भाजपा पर अपने इस आरोप को दोहराया कि ''यदि ट्रंप उनसे कूदने के लिए कहेंगे तो पीएम मोदी ऐसा ही करेंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान युद्ध से पहले, अचानक मोदी को इजराइल जाने के लिए कहा गया और वह विमान में सवार हुए, वहां गए और फिर वापस आ गए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि ऐसा करने का कारण सीधा था, ''एप्स्टीन फाइल और अदाणी।'' केंद्र सरकार ने (जेफ्री) एप्स्टीन मामले की नवीनतम फाइल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदर्भों को एक दोषी अपराधी के तुच्छ विचार एवं कयास करार दिया और इसे सिरे से खारिज किये जाने योग्य बताया है।

राहुल ने आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुलेआम कहते हैं कि जब वह फोन करते हैं तो प्रधानमंत्री मोदी फोन उठाते हैं और उन्हें सर'' कहकर संबोधित करते हैं। उन्होंने कहा, कल्पना कीजिए कि भारत के प्रधानमंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 'सर' कहकर संबोधित कर रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि ''इसी तरह, प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से अपेक्षा करते हैं कि वह उनके अधीन रहें और उन्हें ''सर'' कहकर संबोधित करें। उन्होंने कहा कि हालांकि, मुख्यमंत्री (एम. के.) स्टालिन कभी भी मोदी को ''सर'' कहकर संबोधित नहीं करेंगे, इसलिए प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक का मुख्यमंत्री चाहते हैं ताकि वह फोन उठाकर कह सकें, जी सर, मैं आपके लिए क्या कर सकता हूं?''

राहुल ने कहा कि भाजपा तमिलनाडु में ऐसी सरकार चाहती है जिस पर उसका पूर्ण नियंत्रण हो, एक ऐसा मुख्यमंत्री जो वही करे जैसा करने को कहा जाए। भाजपा पर हमला बोलते हुए राहुल ने कहा, उनके चाहे जो भी सपने हों, वे कभी भी तमिलनाडु की जनता या सरकार को नियंत्रित नहीं कर पाएंगे, और हम भाजपा को राज्य में ऐसी सरकार बनाने की अनुमति कभी नहीं देंगे जिसे वे नियंत्रित कर सकें।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाकर उनकी कुर्सी पर भाजपा नेता सम्राट चौधरी को आसीन कर दिया गया। राहुल ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार झुक गए, इसलिए उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा और चुपचाप राज्यसभा चले गए। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार के पुराने कृत्यों ने भाजपा को उन पर पूरी तरह नियंत्रण करने का मौका दे दिया और वे (भाजपा) बिहार की तरह ही तमिलनाडु में भी वही करना चाहते हैं।

आरएसएस-भाजपा पर हमला करते हुए राहुल ने आरोप लगाया कि इन दोनों का मानना है कि भारत एक लोग, ''एक संस्कृति, एक धर्म और एक भाषा'' वाला देश होना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस मूल रूप से ''तमिल विरोधी, द्रविड़ विरोधी संगठन'' है। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक में ऐसे महान नेता थे, जिन्होंने तमिलों की रक्षा की, और तमिलनाडु के लोगों की सेवा करने वाली पुरानी पार्टी (अन्नाद्रमुक) अब अस्तित्व में नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान अन्नाद्रमुक खोखली हो चुकी है।

कांग्रेस नेता ने कहा, ''लोगों की सेवा करने वाली पुरानी अन्नाद्रमुक खत्म हो चुकी है और उसका अंत हो चुका है।'' उन्होंने दावा किया कि ''अन्नाद्रमुक नेताओं ने अपने भ्रष्टाचार के कारण समझौता कर लिया है।'' उन्होंने कहा कि भाजपा, अन्नाद्रमुक के जरिए तमिलनाडु में घुसने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक के पास समर्पित कार्यकर्ता हैं, लेकिन पार्टी पर उनका नियंत्रण नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि अन्नाद्रमुक को नियंत्रित करने वाले लोग पूरी तरह से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री मोदी के कब्जे में हैं।

भाजपा ने मणिपुर को 'आग में झोंका', कांग्रेस नफरत नहीं फैलाने देगी : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुनेलवेली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि ''भाजपा ने देश के अल्पसंख्यकों को डराया-धमकाया और मणिपुर राज्य को 'आग में झोंक' दिया।'' उन्होंने साथ ही यह आश्वासन भी दिया कि उनकी पार्टी नफरत नहीं फैलाने देगी। तमिलनाडु में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने दावा किया कि अब यह उस तरह की पार्टी नहीं रही तथा यह ''खोखली'' हो गई है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा की थी तथा उनके और उनकी पार्टी द्वारा व्यक्त किया गया विचार एक एकजुट और सामंजस्यपूर्ण भारत का था। राहुल ने कहा, ''हमारा मानना है कि प्रत्येक राज्य को अपना शासन स्वयं चलाना चाहिए और वे (भाजपा के लोग) कहते हैं कि सभी राज्यों को आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) नामक एक राजनीतिक संगठन के अधीन होना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''अब, इस चुनाव में वे तमिलनाडु में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे हैं। अन्नाद्रमुक की एक महान ऐतिहासिक परंपरा रही है। अतीत में अन्नाद्रमुक में ऐसे महान नेता थे जिन्होंने तमिलनाडु की अवधारणा की रक्षा की। लेकिन आज की अन्नाद्रमुक वह पुरानी पार्टी नहीं रही। आज यह खोखली हो गई है क्योंकि इसके नेताओं ने समझौता कर लिया है।''

उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार में वे (अन्नाद्रमुक) आकंठ डूब गए हैं और वे भाजपा की इच्छा के विरुद्ध कुछ नहीं कर सकते। इसलिए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने तमिलनाडु राज्य पर कब्जा करने के लिए उनका इस्तेमाल किया है। राहुल ने आरोप लगाया, ''वे (भाजपा) सीधे तौर पर यह नहीं कह सकते कि उनका क्या मंसूबा है। इसलिए उन्होंने आपकी भाषा, संस्कृति, परंपरा और इतिहास पर हमला करने के लिए अन्नाद्रमुक को अपना साझेदार बनाया है।''

उन्होंने कहा कि इस चुनाव का सबसे अहम पहलू आरएसएस-भाजपा को तमिलनाडु में प्रवेश करने से रोकना है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि उनकी भारत जोड़ो यात्रा एक एकजुट और सामंजस्यपूर्ण भारत के लिए थी। एक ऐसा भारत, जहां हर किसी को प्यार और सम्मान मिले। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा पूरे देश में नफरत और हिंसा फैलाती है। वे सत्ता को कुछ बड़े कारोबारियों के हाथों में केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने असमानता वाले भारत का निर्माण किया है। वे हमारे अल्पसंख्यक भाइयों-बहनों को डराते-धमकाते हैं। हमारे ईसाई, मुस्लिम, सिख भाई-बहनों को हर समय भय के साये में रखा जा रहा है। मणिपुर को भाजपा ने 'आग में झोंक' दिया।

राहुल ने कहा, ''हम एक सामंजस्यपूर्ण, निष्पक्ष और समानता वाले देश में विश्वास रखते हैं। हम उन्हें देश में नफरत नहीं फैलाने देंगे।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''हम तमिल भाषा, संस्कृति, परंपरा और इतिहास की रक्षा कर रहे हैं। दूसरी ओर भाजपा-अन्नाद्रमुक हैं जो तमिलनाडु की ताकत छीनने की कोशिश कर रहे हैं।'' राहुल ने 2023 में पारित महिला आरक्षण विधेयक (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) का जिक्र करते हुए कहा कि उसका उद्देश्य भारत के चुनावी मानचित्र को बदलना नहीं था।

उन्होंने याद दिलाया कि उस विधेयक को पारित करते समय भाजपा ने कहा था कि इसे 10 वर्षों में लागू किया जाएगा और कांग्रेस ने तब इसे तुरंत लागू किये जाने पर जोर दिया था। कांग्रेस नेता ने कहा, ''हम वही बात फिर से दोहराते हैं, अगर भाजपा महिला आरक्षण चाहती है, तो 2023 के अधिनियम को अभी लागू करे और पूरा विपक्ष आपका समर्थन करेगा।''

महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को पारित नहीं होने देने के लिए कांग्रेस, द्रमुक माफी मागें : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को द्रमुक और कांग्रेस से लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पारित नहीं होने देने के लिए माफी की मांग करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कोटा लागू करने का कदम देश के लिए सबसे प्रगतिशील निर्णयों में से ''एक'' है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले यहां एक रैली को संबोधित करते हुए, नायडू ने कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ पार्टियां सुधारों की हमेशा से ''विरोधी'' रही हैं और राज्य की जनता को उन्हें हराना चाहिए। सत्तारूढ़ द्रमुक पर निशाना साधते हुए, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख ने आरोप लगाया कि राज्य में एम के स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार केंद्र सरकार के सहयोग का लाभ उठाने में विफल रही है।

उन्होंने कहा, ''मैं आपको बता रहा हूं, मोदी जी ने महिलाओं के लिए जो 33 प्रतिशत आरक्षण किया है, वह देश के लिए सबसे प्रगतिशील निर्णयों में से एक है। कांग्रेस, द्रुमक और अन्य राजनीतिक दलों ने महिलाओं के साथ अन्याय किया। हर महिला को इस पर चर्चा और बहस करनी होगी।'' विपक्षी दलों ने शुक्रवार को लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के खिलाफ मतदान किया था।

नायडू ने कहा, ''यह एक प्रगतिशील नीति है। उन्होंने (कांग्रेस, द्रमुक और अन्य दलों ने) इसका विरोध किया। अब उन्हें महिलाओं से माफी मांगनी होगी। उन्होंने महिला सशक्तीकरण के साथ विश्वासघात किया।'' आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि मौजूदा द्रमुक सरकार में दूरदर्शिता की कमी है। नायडू 23 अप्रैल को होने वाले चुनावों में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पक्ष में प्रचार के लिए तमिलनाडु के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

भाजपा ने आप के सभी अच्छे कार्य रोके,

तमिलनाडु को राजग को वोट देने पर पछतावा होगा : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि अगर तमिलनाडु के लोगों ने 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को वोट दिया तो उन्हें ''पछतावा'' होगा। केजरीवाल ने कहा कि इस राज्य का भी वही हाल होगा जो दिल्ली का हुआ, जहां भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आप) के सभी अच्छे कामों को रोक दिया। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन के उम्मीदवारों के समर्थन में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के साथ एक रोडशो को संबोधित करते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि तमिलनाडु भाजपा को नहीं चाहता।

प्रचार वाहन में स्टालिन के बगल में खड़े केजरीवाल ने कहा, अन्नाद्रमुक ने तमिलनाडु में भाजपा को लाकर सबसे बड़ा अपराध किया है। एक साल पहले, लोगों ने भाजपा को वोट देकर गलती की और अब दिल्ली में हमने जो भी अच्छे काम किए थे, उन्हें भाजपा ने रोक दिया है। दिल्ली में हमने जो स्कूल शुरू किए थे, क्लीनिक, अस्पतालों में मुफ्त दवा और इलाज, मुफ्त बिजली और मुफ्त पानी, ये सब भाजपा ने बंद कर दिए हैं। आम आदमी पार्टी के नेता ने चेतावनी देते हुए कहा, चाहे लोग भाजपा को वोट दें, अन्नाद्रमुक (आल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम) को या राजग को, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि अगर राजग चुनाव जीतता है तो स्टालिन ने तमिलनाडु में जो भी अच्छे काम शुरू किए हैं, वे सब रुक जाएंगे और आपको पछतावा होगा। उन्होंने कहा, इसलिए, अगर आप इन अच्छे कामों को जारी रखना चाहते हैं, तो मैं आपसे स्टालिन साहब और द्रमुक को वोट देने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने (स्टालिन ने) तमिलनाडु में बहुत विकास कार्य किए हैं। यह विकास जारी रहना चाहिए। केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ उनकी आवाज बुलंद है और वह एक मजबूत आवाज हैं। केजरीवाल ने कहा, ''स्टालिन ना केवल तमिलनाडु के लिए बल्कि देश के लिए भी लड़ रहे है। उन्होंने परिसीमन विधेयक को पारित नहीं होने दिया, जिससे हमारा लोकतंत्र पूरी तरह नष्ट हो जाता और उन्होंने मोदी के खिलाफ खड़े होकर तमिलनाडु की जनता के लिए लड़ाई लड़ी।''

तमिलनाडु में चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों में से 18 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में मैदान में उतरे लगभग 18 प्रतिशत उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है जबकि 25 प्रतिशत उम्मीदवारों के पास एक करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, जिन 3992 उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया गया, उनमें से 722 (18 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है। इनमें से 404 (10 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने गंभीर आपराधिक मामलों की घोषणा की है।

वर्ष 2021 के विधानसभा चुनावों में जिन 3559 उम्मीदवारों के हलफनामों के विश्लेषण किए गए, उनमें से 466 (13 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की थी और 207 (6 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की थी। इस बीच, अन्नाद्रमुक के जिन 170 उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया गया, उनमें से 118 (69 प्रतिशत), तमिलगा वेत्री कषगम के 231 उम्मीदवारों में से 92 (40 प्रतिशत), द्रमुक के 175 उम्मीदवारों में से 70 (40 प्रतिशत), भाजपा के 33 उम्मीदवारों में से 16 (48 प्रतिशत), कांग्रेस के 28 उम्मीदवारों में से 14 (50 प्रतिशत), पट्टाली मक्कल काची के 18 उम्मीदवारों में से 9 (50 प्रतिशत), देसीया मुरपोक्कू द्रविड़ कषगम के 10 उम्मीदवारों में से 5 (50 प्रतिशत), भाकपा के पांच उम्मीदवारों में से 3 (60 प्रतिशत) और माकपा के पांच उम्मीदवारों में से 4 (80 प्रतिशत) ने हलफनामों में अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों की घोषणा की है।

जिन उम्मीदवारों के हलफनामे का विश्लेषण किया गया उनमें से 981 (25 प्रतिशत) करोड़पति हैं, जबकि 22 (0.55 प्रतिशत) अरबपति हैं, यानी उनकी संपत्ति 100 करोड़ रुपये से अधिक है। कांग्रेस के 28 उम्मीदवारों में से दो (सात प्रतिशत), द्रमुक के 175 उम्मीदवारों में से सात (चार प्रतिशत), अन्नाद्रमुक के 170 उम्मीदवारों में से तीन (दो प्रतिशत), पट्टाली मक्कल काची के 18 उम्मीदवारों में से एक (6 प्रतिशत), अम्मा मक्कल मुन्नेत्र कषगम के 11 उम्मीदवारों में से एक (नौ प्रतिशत) और तमिलगा वेत्री कषगम के 231 उम्मीदवारों में से आठ (तीन प्रतिशत) ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है।

अनुग्रह बनी चेन्नई पत्तन प्राधिकरण की मुख्य सतर्कता अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पत्तन पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत चेन्नई पत्तन प्राधिकरण के मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में सुश्री अनुग्रह पी (आईएएस-2011) ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इससे पहले, उन्होंने औषध विभाग में निदेशक के रूप में कार्य किया है। उन्हें प्रशासनिक नेतृत्व का व्यापक अनुभव है, जिसमें मध्य प्रदेश में जिला कलेक्टर के रूप में निभाई गई भूमिकाएँ भी शामिल हैं; इन भूमिकाओं में उन्होंने सामाजिक पहलों, शिक्षा और डिजिटल शासन पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय से लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है।

रेला अस्पताल द्वारा कैंसर सर्वाइवरशिप प्रोग्राम की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रेला अस्पताल द्वारा कैंसर रोगियों के सक्रिय उपचार के बाद रोगियों को सहायता प्रदान करने हेतु कैंसर सर्वाइवरशिप कार्यक्रम कधिर', का शुभारंभ किया गया है। यह पहल कैंसर उपचार पूरा कर चुके या उपचार करा रहे रोगियों की शारीरिक, भावनात्मक और मनोसामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाया गया है। इसके अंतर्गत एक व्यापक सर्वाइवरशिप मॉडल के हिस्से के रूप में संरचित फॉलो-अप, पुनर्वास, पोषण संबंधी मार्गदर्शन और सहायक देखभाल प्रदान की जाती है।

काधिर निरंतर नैदानिक निगरानी को सक्षम बनाता है साथ ही पुनर्वास और मनोसामाजिक देखभाल को एकीकृत करता है ताकि उपचार के बाद व्यापक सहायता सुनिश्चित की जा सके, जिसमें भावनात्मक कल्याण, रिश्तों, प्रजनन क्षमता, काम पर वापसी और स्वस्थ जीवन शैली प्रथाओं पर मार्गदर्शन शामिल है यह कार्यक्रम बहुविषयक टीम के माध्यम से चलाया जाएगा जिसमें कैंसर विशेषज्ञ, पुनर्वास विशेषज्ञ, पोषण विशेषज्ञ और परामर्शदाता शामिल होंगे जो अनुवर्ती देखभाल में निरंतरता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम करते हैं।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. रेला इंस्टीट्यूट एंड मेडिकल सेंटर के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक प्रोफेसर मोहम्मद रेला ने रेला अस्पताल में कैंसर पीड़ितों और उनके परिवारों की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रोफेसर मोहम्मद रेला ने कहा कि कैंसर के उपचार में हुई प्रगति से स्वस्थ जीवन की दर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिससे उपचार पूरा होने के बाद रोगियों की दीर्घकालिक आवश्यकताओं पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। कैंसर से ठीक हुए रोगियों को अक्सर पुनरावृत्ति की निरंतर निगरानी, ङ्खङ्खलगातार बने रहने वाले दुष्प्रभावों के प्रबंधन और उनके स्वास्थ्य और कल्याण पर पड़ने वाले व्यापक प्रभाव से निपटने के लिए सहायता की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि काधिर जैसा समन्वित कार्यक्रम विभिन्न विशेषज्ञताओं में निरंतरता सुनिश्चित करता है, साथ ही रोगियों को पुनर्वास, पोषण संबंधी मार्गदर्शन और आवश्यकता पड़ने पर मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करके उनके दैनिक जीवन में वापसी में सहयोग करता है।

अन्नामलाई ने मयिलापुर में चुनाव प्रचार किया

नागरिक मुद्दों को लेकर द्रमुक को निशाना बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता के. अन्नामलाई ने तमिलनाडु विधानसभा के तहत 23 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए सोमवार को मयिलापुर निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी उम्मीदवार तमिलिसाई सुंदरराजन के समर्थन में प्रचार अभियान शुरू किया।

एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने द्रविड़ मुनेत्र कणगम (द्रमुक) सरकार पर चेन्नई के बुनियादी ढांचे, बाढ़ के जल की निकासी और अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित प्रमुख वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, द्रमुक ने राज्य के मछुआरों के लिए दो लाख घर बनाने का वादा किया था, जिनमें से 200 घर मायलापुर में बनाए जाने थे। उन्होंने कहा कि अभी तक यह परियोजना साकार नहीं हुई है।

अन्नामलाई ने यह भी आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार के शासनकाल में गांजे की बिक्री में वृद्धि हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के रविवार को मयिलापुर में हुए रोड शो का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि इसे लोगों का भरपूर समर्थन मिला। अन्नामलाई ने विश्वास जताया कि राज्य में इस चुनाव में कमल खिलेगा।

अन्नामलाई ने यह भी दावा किया कि ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कणगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी शानदार जीत मिलने के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बनेंगे।

श्रीलंका से 19 भारतीय मछुआरों को स्वदेश वापस भेजा गया

कोलंबो/चेन्नई। श्रीलंका ने सोमवार को 19 भारतीय मछुआरों को स्वदेश वापस भेज दिया। कुछ दिन पहले श्रीलंका की नौसेना ने अपने समुद्री क्षेत्र में अवैध शिकार करने के आरोप में 16 भारतीयों को गिरफ्तार किया था। भारत और श्रीलंका के संबंधों में मछुआरों का मुद्दा एक विवादित विषय है। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 19 भारतीय मछुआरों को आज श्रीलंका से वापस भेजा जा रहा है और वे शाम तक अपने देश लौट जाएंगे।

सवारी डिब्बा कारखाना
चेन्नै - 600 038

निविदा सूचना क्रमांक 2026178110001 दिनांक: 20.04.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके नाम पर, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री के सीनियर ईडीपीएम, निम्नलिखित कार्य अनुबंध के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्रम संख्या	खुली निविदा संख्या	वस्तु का संक्षिप्त विवरण	निविदा की तिथि	
			समाप्ति तिथि	खुलने की तिथि
1	2026178110001 दिनांक: 20.04.2026	इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई-600038 में एसएपी एस/4 हाना 1809 से 2025 संस्करण में हार्डवेयर अपग्रेडेशन की आपूर्ति और स्थापना, मौजूदा एसएपी सिस्टम का टर्नकी आधार पर अपग्रेडेशन, जिसमें कार्यान्वयन के बाद हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर सपोर्ट शामिल है।	18.05.2026 15.00 Hrs	18.05.2026 15.30 Hrs.

प्रस्ताव जमा करने की वेबसाइट www.ireps.gov.in है।

पचपदरा रिफाइनरी में आग लगने के कारण मोदी का कार्यक्रम स्थगित, विपक्ष ने उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाड़मेर । राजस्थान के बाड़मेर स्थित पचपदरा रिफाइनरी में सोमवार को एक यूनिट में आग लगने के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्धघाटन कार्यक्रम स्थगित हो गया है । आग की ऊंची लपटें औ धुंए का गुबार देख आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया, जिसके बाद दमकल गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं। यह घटना उद्घाटन स्थल से मात्र एक किलोमीटर दूर स्थित है। इस घटना से अधिकारियों में थोड़ी दहशत फैल गई। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, आग क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू) में लगी। घटनास्थल से घना धुआं उठता देखा गया, जिसके चलते रिफाइनरी की अग्निशमन प्रणाली को तुरंत सक्रिय कर दिया गया। प्रभावित क्षेत्र में काम कर रहे कर्मचारियों को एहतियात के तौर पर तुरंत सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।अधिकारियों ने पुष्टि की कि आग पर काबू पाने के लिए लगभग 20 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। आपातकालीन प्रतिक्रिया दल और रिफाइनरी कर्मियों ने रिफाइनरी में लगे दमकल तंत्रों का उपयोग करके आग बुझाने का काम किया।पुलिस नियंत्रण कक्ष के अधिकारियों ने आईएएनएस को बताया कि दमकल गाड़ियों के लगातार मौके पर पहुंचने के बाद निरंतर प्रयासों से स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने आईएएनएस को बताया कि घटना मामूली थी और आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया गया।यह घटना राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आगमन और उद्घाटन समारोह की तैयारियों की समीक्षा करने से कुछ समय पहले घटी।आग लगने के बावजूद अधिकारियों ने बताया कि अभी तक कोई बड़ी बाधा उत्पन्न नहीं हुई है। आग लगने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है और संभवतः इसकी जांच की जाएगी।इस बीच, विधानसभा में विपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने कहा कि बालोतरा स्थित पचपदरा रिफाइनरी में लगी आग बेहद गंभीर और चिंताजनक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल कांग्रेस पार्टी द्वारा निर्मित इस रिफाइनरी का उद्घाटन करने आ रहे हैं। ऐसे में, ठीक एक दिन पहले हुई यह घटना सरकार की जल्दबाजी में की गई व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े करती है।टीकाराम जूली ने कहा कि भाजपा ने कांग्रेस की इस महत्वपूर्ण परियोजना को वर्षों तक रोके रखा, जिससे इसकी लागत दोगुनी हो गई। इससे पता चलता है कि रिफाइनरी अभी पूरी नहीं हुई है और प्रचार के लिए जल्दबाजी में इसका उद्घाटन किया जा रहा है। यदि मुख्यमंत्री ने झूठे प्रचार से बचने के लिए समय निकाला होता, तो शायद इतनी महत्वपूर्ण परियोजना के आसपास इतनी बड़ी सुरक्षा चूक नहीं होती। यह महज एक दुर्घटना नहीं है, बल्कि सरकार की गंभीर लापरवाही का परिणाम है। मैं इस दुर्घटना में सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता हूं।

राजस्थान के मंगला तेल क्षेत्र से कच्चे तेल का उत्पादन 2,000 बैरल प्रतिदिन बढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वैश्विक तेल बाज़ार में उतार–चढ़ाव के बीच घरेलू कच्चे तेल के उत्पादन को बढ़ावा देते हुए राजस्थान के मंगला तेल क्षेत्र से उत्पादन में प्रतिदिन लगभग 2,000 बैरल की वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र का परिचालन करने वाली कपंनी के अधिकारियों के अनुसार कच्चे तेल के उत्पादन में यह बढोतरी तकनीकी नवाचार और रणनीतिक पुनर्विकास योजना के माध्यम से इस पुराने तेल क्षेत्र में होने वाली प्राकृतिक गिरावट को रोककर प्राप्त की गई है। उल्लेखनीय है कि मंगला तेल क्षेत्र की खोज 2004 में हुई थी और इससे उत्पादन 2009 में शुरू हुआ। मंगला तेल क्षेत्र देश के सबसे बड़े जमीनी (आनशोर) तेल भंडारों में से एक है और इसने राजस्थान को एक प्रमुख कच्चा तेल उत्पादक क्षेत्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हालांकि, प्राकृतिक रूप से भंडार कम होने के कारण इस क्षेत्र से उत्पादन समय के साथ घट रहा था जिससे परिचालन संबंधी चुनौतियां पैदा हो रही थीं। 'केयर्न आयल एंड गैस' कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, पुनर्विकास रणनीति के तहत साइडट्रैकिंग जैसी प्रौद्योगिकी का उपयोग किया गया है–जिसमें मौजूदा कुओं को फिर से व्यवस्थित करके उन भंडारों तक पहुंचा जाता है जिनका पहले दोहन नहीं हुआ था–जिससे लागत और भूमि पर उसके असर, दोनों में कमी आती है। कंपनी ने उत्पादन दर में सुधार करने और लंबे समय तक उत्पादन बनाए रखने के लिए 'विस्तारित तेल खोज' (ईओआर) के तरीके भी लागू किए जिनमें पॉलीमर इंजेक्शन और अल्कलाइन–सरफेक्टेंट–पॉलीमर (एएसपी) फ्लडिंग शामिल हैं। अधिकारी के अनुसार, पुनर्विकसित कुओं में से केवल एक कुएं से ही शुरुआती चरण में प्रतिदिन लगभग 2,000 बैरल तेल मिलना शुरू हो गया जो इस पहल की सफलता का परिचायक है। विशेषज्ञों का कहना है कि पुराने जमीनी (भू स्थित) तेल क्षेत्रों से होने वाली इस तरह की क्रमिक वृद्धि, घरेलू उत्पादन को सहारा देकर, आयात पर निर्भरता कम करके और लागत को नियंत्रित करते हुए देश के लिए व्यावहारिक अल्पकालिक सहारा प्रदान कर सकती है।

मंगला तेल क्षेत्र में उत्पादन के रुझान बताते हैं कि शुरुआती वर्षों में इसमें लगातार वृद्धि हुई जिसके बाद धीरे–धीरे गिरावट आई। विशेषज्ञों के अनुसार, पुराने जमीनी तेल क्षेत्रों में ऐसा होता ही है। उल्लेखनीय है कि 2009 में उत्पादन शुरू होने के बाद से इस क्षेत्र से 50 करोड़ बैरल से अधिक कच्चा तेल निकाला जा चुका है। 2009 और 2014 के बीच उत्पादन काफी मज़बूत रहा और लगभग 2,00,000 बैरल प्रतिदिन के स्तर पर बना रहा।

हालांकि, 2015 से उत्पादन में गिरावट आने लगी और यह 1,30,000 से 170,000 बैरल प्रति दिन के बीच रहा। 2021 से 2025 तक यह गिरावट जारी रही जब दैनिक उत्पादन और गिरकर 1,00,000 से 80,000 बैरल के बीच पहुंच गया। फिलहाल इस क्षेत्र से अनुमानित उत्पादन 80,000 बैरल प्रति दिन है। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि कंपनी पुनर्विकास और उत्पादन बढ़ाने की उन रणनीतियों पर काम कर रही है जिनका दीर्घकालिक लक्ष्य उत्पादन को बढ़ाना है।

भाजपा ने जयपुर में जन आक्रोश महिला पदयात्रा निकाली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित संशोधन विधेयक का समर्थन नहीं करने पर विपक्ष के खिलाफ सोमवार को यहां प्रदर्शन किया और 'नारी के सम्मान में जन आक्रोश महिला पदयात्रा' निकाली।

भाजपा के प्रदेश कार्यालय के बाहर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 17 अप्रैल को ऐतिहासिक दिन बनने वाला था जब लोकसभा में महत्वपूर्ण संविधान संशोधन विधेयक पर चर्चा के बाद मतदान हुआ, लेकिन विपक्ष ने इसे 'काला पन्ना' बनाकर छोड़ दिया। उन्होंने 'महिला विरोधी मानसिकता' वाले लोगों को सबक सिखाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व महिलाएं उपस्थित थीं जिनके हाथ में कांग्रेस व विपक्षी दलों के खिलाफ पोस्टर थे। पदयात्रा की अगुवाई भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौड़ ने की। पदयात्रा शहीद स्मारक की ओर रवाना हुई लेकिन पुलिस ने बीच में बैरीकेड लगाकर उसे रोक दिया।

पूजा

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने चित्तौड़गढ़ जिले के प्रवास के दौरान सोमवार को प्रख्यात धार्मिक स्थल जोगणिया माता मंदिर में पहुंचकर दर्शन किए एवं विधिवत पूजा–अर्चना कर देश–प्रदेश की सुख–समृद्धि की कामना की। लोकसभा अध्यक्ष ने आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में सहभागिता करते हुए नवविवाहित वर–वधुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने नवदम्पत्तियों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए समाज में एकता, संस्कार एवं पारंपरिक मूल्यों को बनाए रखने का संदेश दिया।

विपक्ष ने महिलाओं के सपनों को कुचलने का काम किया : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' से संबंधित विधेयक के लोकसभा में पारित नहीं हो पाने को लेकर सोमवार को विपक्ष पर नशिाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने महिलाओं के हक एवं सपनों को कुचलने का काम किया है लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आधी आबादी को पूरा हक दिलावाएंगे। शर्मा यहां 'महिला जन आक्रोश पद यात्रा' को संबोधित कर रहे थे। भाजपा महिला मोर्चा ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के लोकसभा में पारित नहीं होने पर विपक्ष के खिलाफ इस कार्यक्रम का आयोजन किया था। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 17 अप्रैल को महिलाओं के लिए स्वर्णिम दिन बनाने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संबंधित विधेयक लेकर आए लेकिन विपक्षी दलों ने एकजुट होकर इस दिन को आधी आबादी के लिए काला अध्याय बना दिया, देश की महिला शक्ति इसके लिए विरोधी दलों को कभी माफ नहीं करेगी।

उन्होंने कहा,प्रधानमंत्री मोदी आधी आबादी को उनका पूरा हक जरूर दिलाएंगे।' शर्मा ने महिला जन आक्रोश यात्रा को झंडा दिखा कर रवाना किया। शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार नीति निर्माण में नारी शक्ति की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संबंधित विधेयक देश की सबसे बड़ी पंचायत में लायी लेकिन परिवारवादी मानसिकता वाले राजनीतिक दल कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी ने संसद में एकजुट होकर उसे गिरा दिया।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के हक को हथियाने और आधी आबादी के सपनों को कुचलने की इस साजिश के लिए विपक्ष को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी नेतृत्व में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संबंधित विधेयक लेकर आए लेकिन विपक्ष और उसके सहयोगी दलों ने इसका विरोध किया।

उन्होंने कहा कि शर्म की बात है कि इन्होंने आम महिलाओं को मिलने वाले अवसर को छीन लिया इसलिए महिलाओं के इस अपमान को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्यमंत्री श्रीमती मंजू बाघमार, सांसद मंजू शर्मा व भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौड़ सहित पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

पुष्कर घाटी बस हादसा- विधानसभा अध्यक्ष ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पुष्कर घाटी में रविवार को हुए दर्दनाक बस हादसे पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जिला कलक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल से दूरभाष पर चर्चा कर हादसे की स्थिति, घायलों की संख्या, उपचार व्यवस्थाओं तथा राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। देवनानी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी घायलों को तत्काल, समुचित एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

इस दौरान देवनानी ने घायलों के परिजनों से भी मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एवं प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रभावितों के साथ खड़ा है।

पंचायती राज विभाग के शासन सचिव ने राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । पंचायती राज विभाग के शासन सचिव डॉ.जोगाराम ने सोमवार को सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) स्टेट कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर आमजन से सीधे संवाद किया तथा शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शासन सचिव ने हेल्पलाइन पर परिवादियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने उनके समक्ष प्रस्तुत 24 शिकायतों में से 11 शिकायतों पर सीधे परिवादियों से संवाद किया। इन शिकायतों में 2 में परिवादियों ने संतुष्टि जाहिर की। शेष शिकायतों को उन्होंने रिओपन करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

सीकर के फतेहपुर पंचायत समिति के नबीपुरा गांव के परिवादी राम प्रताप ने साफ सफाई के संबंध में परिवाद दर्ज करवाया था, लेकिन गांव में नियमित साफ सफाई न होने और परिवादी के संतुष्ट न होने के कारण शासन सचिव ने संबंधित ग्राम विकास अधिकारी को 17 सीसीए की चार्जशीट जारी करने के निर्देश प्रदान किए।

इसी प्रकार टोंक जिले की उनियारा पंचायत समिति के सेदरी गुजरान, मोहम्मद पुरा गांव के किशन लाल को उनके मकान का पट्टा एक साल पूर्व आवेदन करने के उपरांत भी जारी नहीं करने के कारण संबंधित ग्राम विकास अधिकारी को 17 सीसीए की चार्जशीट जारी करने के निर्देश प्रदान किए गए। संपर्क पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक वर्ष में विभाग से संबंधित कुल 2,93,802 प्रकरण दर्ज हुए, जिनमें से 2,80,996 प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है, जो 95.64 प्रतिशत है।

निरीक्षण के दौरान डॉ.जोगाराम ने हेल्पलाइन 181 में कार्यरत अधिकारियों को लंबित व क्रिटिकल फेस वाली शिकायतों की जानकारी संबंधित अधिकारियों को एसएमएस/ व्हाटसएप के माध्यम से भेजने के निर्देश भी दिए ताकि समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए सभी विभागों के शासन सचिव निर्धारित तिथियों पर राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम में उपस्थित होकर परिवादियों से सीधे संवाद कर रहे हैं। इस पहल के माध्यम से नागरिक घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज कर शीघ्र समाधान प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर विभाग के राज्य नोडल अधिकारी राम चंद्र सैनी, सहायक आयुक्त भी उपस्थित रहे।

हीट स्ट्रोक से निपटने को चिकित्सा विभाग सक्रिय, आइसोलेशन कॉर्नर और दवा व्यवस्था के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजधानी जयपुर में हीट वेव के बचाव एवं रोकथाम के लिए प्रभावी प्रबंधन किए जाने के लिए निदेशालय से प्राप्त निर्देशानुसार समस्त खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि समस्त खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को चिकित्सा संस्थानों में हीट वेव के दौरान आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए चिकित्सा संस्थानों पर आवश्यक व्यवस्थाएं किए जाने के लिए निर्देशित किया गया है। इसमे इमरजेंसी कक्ष का प्रबंधन सुनिश्चित करने, तापमान नियंत्रण के लिए ए.सी./कूलर/पंखे/पर्दे इत्यादि की समुचित व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी चिकित्सा संस्थानों पर बैड आरक्षित कर लू–तापघात से पीड़ित रोगियों के लिए आइसोलेशन कॉर्नर स्थापित किये जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। लू–तापघात के उपचार में आने वाली आवश्यक दवाइयों एवं उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, हीट स्ट्रोक से संबंधित आने वाले केसों का रजिस्ट्रेशन करने के साथ ही तापमान की अधिकता की स्थिति में मनरेगा कार्य योजना के अनुरूप बचाव एवं रोकथाम करने के निर्देश दिए गए हैं।

हिन्दुस्तान जिंक ने शुरू की राज्य की पहली ईवी बस सेवा

उदयपुर। पर्यावरण संरक्षण और सस्टेनेबल माइनिंग के क्षेत्र में हिन्दुस्तान जिंक ने आज एक नया इतिहास रच दिया है। कंपनी ने उदयपुर स्थित अपने देबारी जिंक स्मेल्टर प्लांट से राजस्थान के पहले और सबसे बड़े इलेक्ट्रिक बस बेड़े का शुभारंभ किया। 41 अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर कंपनी ने यह संदेश दिया है कि औद्योगिक प्रगति और प्रकृति का संरक्षण एक साथ संभव है। 'एनवायरो व्हील्स मोबिलिटी प्राईवेट लिमिटेड' के साथ साझेदारी में शुरू की गई इस पहल का असर आने वाले वर्षों में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। डीजल बसों के स्थान पर इन इलेक्ट्रिक बसों के चलने से अगले कुछ वर्षों में लगभग 11,000 टन से अधिक कार्बन उत्सर्जन कम होने का अनुमान है।

एफसीआई कोटा संभाग में रोटेशन के आधार पर रेक लगाएं : नागर

जयपुर। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कोटा की भामाशाह मंडी में एफसीआई द्वारा 80 हजार कट्टे प्रतिदिन एमएसपी पर गेहूं की तुलाई की व्यवस्था करने करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गेहूं खरीद की गति बढ़ाने और समय पर उठाव भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि रजिस्ट्रेशन कर चुके सभी किसानों से खरीद की जा सके। उन्होंने गेहूं का उठाव बढ़ाने के लिए रेक लगाने का कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। नागर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद की वर्तमान स्थिति की सोमवार को कोटा सर्किट हाउस में समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस बार बुआई अधिक होने से गेहूं का उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ा है। ऐसे में कोटा संभाग में लक्ष्य से अधिक गेहूं खरीद की तैयारियां अभी से रखी जाएं। उन्होंने एफसीआई के गोदामों में गाड़ियां खाली करने की गति बढ़ाने के निर्देश दिए ताकि मंडियों से समय पर गेहूं का उठाव हो सके।

ऊर्जा राज्य मंत्री ने बैठक के दौरान ही एफसीआई के जीएम राजेश चौधरी से वार्ता कर गोदामों में गाड़ियां अनलोड करने की गति बढ़ाने, अतिरिक्त मजदूरों की व्यवस्था करने और बड़ी मंडियों से गेहूं के उठाव के लिए कोटा संभाग में रोटेशन के आधार पर रेक लगाने को कहा ताकि खरीद केन्द्रों पर गेहूं के ढेर न लगें। उन्होंने कहा कि स्टोरेज पर्याप्त नहीं होने पर मंडियों एवं क्रय केन्द्रों पर गेहूं की खरीद प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने बैठक में उपस्थित एफसीआई अधिकारियों से गोदामों में प्रतिदिन खाली होने वाली गाड़ियों की संख्या के बारे में जानकारी ली।

सरकार का एजेंडा महिला आरक्षण नहीं, प्रधानमंत्री का 'संरक्षण' है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि महिला आरक्षण की आड़ में मोदी सरकार द्वारा उठाए गए परिसीमन के कदम को नाकाम करना ''बुलडोजर राजनीति'' की हार है और यह पूरी तरह स्पष्ट होना चाहिए कि केंद्र सरकार का एजेंडा महिला आरक्षण नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ''संरक्षण'' है।

मुख्य विपक्षी दल ने यह भी मांग की कि कि केंद्र सरकार संसद के मानसून सत्र या मई के अंत में एक विधेयक लाकर मौजूदा लोकसभा सीटों के आधार पर महिला आरक्षण को तत्काल लागू करे।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में इस बात पर जोर दिया कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर महिलाएं ''भाजपा के प्रचार'' के झांसे में नहीं आएंगी, क्योंकि वे जानती हैं कि सत्तारूढ़ दल उनके नाम पर अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाना चाहता है।

रमेश का कहना है कि महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन को आगे बढ़ाने के सरकार के ''नापाक'' मंसूबों की हार संविधान और लोकतंत्र की जीत है।

रमेश ने कहा, ''यह बुलडोजर की राजनीति और जल्दबाज़ी में परिसीमन के प्रयासों की हार है। यह विधेयक महिला आरक्षण के बारे में नहीं है, बल्कि धोखे से परिसीमन को आगे बढ़ाने के बारे में है।'' उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को सितंबर 2023 में सर्वसम्मति से पारित किया गया था, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की इस मांग को अनसुना कर दिया गया कि इसे 2024 के आम चुनाव से लागू किया जाए।

कांग्रेस नेता का कहना है, ''अचानक, 16 अप्रैल की रात को अधिनियम अधिसूचित किया गया। यह विधानसभाओं में महिला आरक्षण के बारे में भाजपा की गंभीरता को दर्शाता है। वे 30 महीने तक सोते रहे।'' रमेश ने इस बात का उल्लेख किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में आश्वासन दे रहे थे कि परिसीमन से किसी राज्य को नुकसान नहीं होगा और सीटें इस तरह बढ़ाई जाएंगी कि अनुपात बना रहे। उन्होंने सवाल किया कि यह विधेयक का हिस्सा क्यों नहीं है?

कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''मुद्दा महिला आरक्षण नहीं बल्कि मोदी का संरक्षण करना है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जातीय जनगणना को ठंडे बस्ते में डालना चाहती है। रमेश ने कहा, हम लोकसभा की मौजूदा संख्या के आधार पर विधायिकाओं में महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग करते हैं। सरकार अगर इससे पहले ऐसा करना चाहती है तो उसे मानसून सत्र के दौरान या मई के अंत में एक संशोधन विधेयक लाना होगा।''

बंगाल में भाजपा 'दुर्गा स्क्वाड' बनाएगी, सातवां वेतन आयोग लागू करेगी : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सैंथिया (पश्चिम बंगाल)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को तृणमलू कांग्रेस पर पश्चिम बंगाल को अराजकता के दौर में धकेलने का आरोप लगाया। उन्होंने वादा किया कि अगर बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनती है, तो महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'दुर्गा स्क्वाड' का गठन किया जाएगा और राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए सातवां वेतन आयोग लागू किया जाएगा।

राजनाथ ने बीरभूम जिले के सैंथिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल पर बंगाल में भय, भ्रष्टाचार और अराजकता का माहौल कायम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि असुरक्षा और सरकारी समर्थन की कमी के कारण उद्योग और निवेशक राज्य छोड़कर जा रहे हैं।

राजनाथ ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तरक्की कर रहा है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से पूछा कि देश के अन्य हिस्सों में विकास के बावजूद उनका राज्य क्यों पिछड़ रहा है।

राजनाथ ने कहा, तृणमूल सरकार के तहत भ्रष्टाचार बढ़ा है, भूमि माफिया बढ़े हैं और भाई-भतीजावाद बढ़ा है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा राज्य में सरकार बनाती है, तो गुंडे और अपराधी या तो जेल में होंगे या अपने घरों में छिपते फिरेंगे।

रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि जहां अन्य राज्यों में बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है, वहीं गुंडों और अपराधियों की मौजूदगी तथा राज्य सरकार से सुरक्षा के अभाव के कारण निवेशक बंगाल आने से हिचकिचा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल के शासन में बंगाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति में तेजी से गिरावट आई है और राज्य में महिलाएं अब सुरक्षित महसूस नहीं करतीं। राजनाथ ने ममता के बांग्ला निजेर मेयेकेई चाय का जिक्र करते हुए कहा, आज बंगाल की माताएं, बहनें और बेटियां भी सुरक्षित महसूस नहीं करतीं। हत्या, लूटपाट और अन्य अपराध खुलेआम हो रहे हैं। उन्होंने वादा किया कि भाजपा सरकार महिलाओं के खिलाफ अपराधों से निपटने के लिए दुर्गा स्क्वाड का गठन करेगी।

राजनाथ ने कहा, महिलाओं पर अत्याचार के लिए हम 'दुर्गा स्क्वाड' बनाएंगे। महिलाओं को परेशान करने वाले किसी भी व्यक्ति को कड़ी सजा दी जाएगी। उन्होंने दावा किया कि राज्य में भय का माहौल है और लोग भाजपा के लिए खुले तौर पर समर्थन व्यक्त करने से डरते हैं। राजनाथ ने कहा कि राजनीति न्याय और मानवता पर आधारित होनी चाहिए, न कि धर्म या जाति पर। उन्होंने बेरोजगारी को लेकर राज्य सरकार पर निशाना

'भाजपा का मुख्यमंत्री बनते ही बिहार में अपराधियों की मौज'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पटना के रामकृष्ण नगर इलाके में एक आभूषण की दुकान में हुई लूट की घटना को लेकर सोमवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार पर तंज कसा। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री बनते ही अपराधियों की मौज आ गई है। तेजस्वी यादव ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री बनते ही अपराधियों की मौज। अब नए-नवेले मुख्यमंत्री जुबान से ही अपराध खत्म कर देंगे या फिर अपराधियों को खोजने से पहले उनकी जाति ढूंढेंगे, तदनुसार प्रतिकूल और अनुकूल बयान जारी किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि पटना के रामकृष्ण नगर इलाके में स्थित एक आभूषण की दुकान में रविवार को करीब 20 लाख रुपए के गहनों की लूट हुई। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। वीडियो फुटेज में दिखाई दे रहा है कि अपराधी बिना किसी डर के दुकान के अंदर घुसते हैं, तेजी से काउंटर तक पहुंचते हैं और गहनों को बैग में भर लेते हैं।

हैरानी है कि पढ़े-लिखे लोग भी 'डिजिटल अरेस्ट' का शिकार हो रहे हैं : प्रधान न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को कहा कि यह हैरानी की बात है कि पढ़े-लिखे लोग भी 'डिजिटल अरेस्ट' का शिकार हो रहे हैं। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची के साथ पीठ की अध्यक्षता कर रहे प्रधान न्यायाधीश ने हाल में एक बुजुर्ग महिला के मामले का उल्लेख किया जिन्हें साइबर अपराधियों ने 'डिजिटल अरेस्ट' कर उनकी सेवानिवृत्ति पर मिली पूरी राशि ठग ली।

प्रधान न्यायाधीश ने ये टिप्पणियां उस समय कीं, जब अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने पीठ के समक्ष 'डिजिटल अरेस्ट' के पीड़ितों से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले का उल्लेख किया।

शीर्ष न्यायिक अधिकारी ने कहा, ''बैठकें हो चुकी हैं। हम बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।'' इसके बाद उन्होंने मामले को 12 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। सीजेआई ने उस बुजुर्ग महिला का जिक्र करते हुए कहा, ''दुर्भाग्य से, उनकी सेवानिवृत्ति की पूरी राशि ठग ली गई।'' एक वकील ने पीठ को बताया कि उच्चतम न्यायालय द्वारा इस मुद्दे पर सुनवाई के बावजूद ऐसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''यह हैरान करने वाला है कि पढ़े-लिखे लोग भी इस तरह ठगे जा रहे हैं।''

पीठ ने मामले को 12 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

'डिजिटल अरेस्ट' साइबर ठगी का नया तरीका है। ऐसे मामलों में ठग खुद को कानून प्रवर्तन अधिकारी बताकर लोगों को ऑडियो या वीडियो कॉल करके डराते हैं और उन्हें गिरफ्तारी का झांसा देकर उनके ही घर में डिजिटल तौर पर बंधक बना लेते हैं।

हम एक दूसरे से छोटी-छोटी चीजें सीखते हैं : कोनोली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुल्लांपुर/भाषा। पंजाब किंग्स के ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कूपर कोनोली ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी टीम के अब तक के अजेय अभियान का श्रेय टीम के अंदर सकारात्मक माहौल और एक दूसरे से छोटी-छोटी चीज सीखने को दिया।

कोनोली की 46 गेंद पर 87 रन की पारी और सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य (37 गेंदों में 93 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 182 रन की साझेदारी की मदद से पंजाब किंग्स ने रविवार को यहां सात विकेट पर 254 रन बनाए और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ 54 रन की आसान जीत दर्ज की।

कोनोली ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''हम सभी इस बात पर चर्चा करते हैं कि एक-दूसरे के लिए क्या कारगर है। हम एक-दूसरे से छोटी-छोटी बातें सीखते हैं। हमें एक-दूसरे से छोटी-छोटी चीजें सीखने का आनंद ले रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम सभी बेहतर होने की कोशिश कर रहे हैं। खेल का यही उद्देश्य होता है। सर्वश्रेष्ठ टीम बनना। हम एक टीम के रूप में बेहतर होने के लिए एक-दूसरे से सीख लेते हैं।''

कोनोली ने कप्तान श्रेयस अय्यर की टीम का शानदार तरीके से नेतृत्व करने के लिए सराहना की। पंजाब ने अब तक पांच मैच जीते हैं जबकि उसका एक मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था। वह अभी छह मैचों में 11 अंकों के साथ आईपीएल तालिका में शीर्ष पर है।

कोनोली ले कहा, ''वह (श्रेयस) खुद एक उदाहरण पेश करके नेतृत्व करते हैं।

भदोही में शादी के पांच दिन पहले युवती का अपहरण

भदोही (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में पुलिस ने एक दलित महिला को उसकी शादी से पांच दिन पहले कथित तौर पर अगवा करने के आरोप में छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिनव त्यागी ने बताया कि युवती के पिता की शिकायत पर पुलिस ने सुरियांवा थाना क्षेत्र के फत्तूपुर गांव निवासी तेजू बिन्द, उसके पिता शेषधर और मां मेवाती बिन्द, शिवम् बिन्द, साहब लाल और रामनाथ बिंद समेत छह लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 87 (अपहरण), 351(3) (गंभीर आपराधिक धमकी), 352(शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान) और अनुसूचित जाति-जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम (एससी/एसटी एक्ट) के तहत रविवार शाम मामला दर्ज किया। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अशोक मिश्रा को मामले की विवेचना और युवती की बरामदगी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मोदी सरकार में समावेशी लोकतंत्र का निरंतर विस्तार : पंकज चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाराजगंज (उप्र)/भाषा। विपक्षी दलों पर महिलाओं से संबंधित विधेयक रोकने का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में समावेशी लोकतंत्र का निरंतर विस्तार हो रहा है। उन्होंने यहां प्रेसवार्ता में समाज के हर वर्ग को प्रतिनिधित्व देने के केंद्र सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने देश की आधी आबादी, माताओं और बहनों को नीति निर्माण में उनका अधिकार दिलाने के उद्देश्य से 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का ऐतिहासिक विधेयक पेश किया था।

चौधरी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और 'इंडिया' गठबंधन के अन्य घटकों ने इस महत्वपूर्ण विधेयक को पारित नहीं होने दिया, जिससे उनके असली इरादे उजागर हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि ये पार्टियां केवल महिला आरक्षण का समर्थन करने का दिखावा करती हैं, पर सच्चाई में महिलाओं को अधिकार देने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने सपा, कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के अन्य सहयोगी दलों पर महिला विरोधी मानसिकता रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति करते हुए इन पार्टियों ने 20 प्रतिशत मुस्लिम महिलाओं का बहाना बनाकर शेष 80 प्रतिशत महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय किया है। उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है और भाजपा हमेशा संविधान की गरिमा का पालन करती है।

चौधरी ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन को महिला-विरोधी गठबंधन बताया एवं कहा कि यह गठबंधन रूढ़िवादी सोच से ग्रस्त है और महिलाओं को घर की चारदीवारी में ही कैद रखना चाहता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन पार्टियों ने हमेशा महिला आरक्षण को रोकने, बाधा डालने और भटकाने का काम किया है।

चौधरी ने बताया कि आज संसद में 75 महिलाएं हैं, जो कुल सांसदों का 15 प्रतिशत है लेकिन मोदी सरकार विधेयक से इसे 33 प्रतिशत से आगे ले जाना चाहती थी।

सीएम-किसान योजना के तहत

मुख्यमंत्री माझी ने 41 लाख किसानों को 838 करोड़ बांटे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मुख्यमंत्री किसान योजना की चौथी किस्त के रूप में 41.68 लाख किसानों को सोमवार को 838 करोड़ रुपए से अधिक धनराशि बांटी। माझी ने कटक स्थित केंद्रीय धान अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) में आयोजित राज्य स्तरीय कृषक दिवस 2026 समारोह में यह राशि वितरित की। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री केवी सिंह देव भी मौजूद थे, जो राज्य के कृषि एवं किसान सशक्तीकरण विभाग के प्रभारी भी हैं।

ओडिशा में अक्षय तृतीया के अवसर पर कृषक दिवस मनाया जाता है।

माझी ने कहा कि सीएम-किसान योजना के प्रत्येक लाभार्थी (जिनमें ज्यादातर छोटे और सीमांत किसान शामिल हैं) के बैंक खाते में आगामी खरीफ फसल सत्र के लिए वित्तीय मदद के रूप में दो हजार रुपए अंतरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय मदद हासिल करने वाले 41,68,582 किसानों में से 41,049 भूमिहीन और 3,292 आदिवासी हैं, जबकि बाकी 41,24,241 लाभार्थी लघु एवं सीमांत किसान हैं।

माझी ने कहा, सीएम-किसान योजना के तहत आज दी गई वित्तीय सहायता से छोटे और सीमांत किसानों को बीज एवं उर्वरक खरीदने में मदद मिलेगी।

सीएम-किसान योजना के तहत पूरे ओडिशा के पात्र किसानों को हर साल अक्षय तृतीया और नुआखाई के अवसर पर दो किस्तों में कुल 4,000 रुपए प्रदान किए जाते हैं।

पश्चिम बंगाल में प्रवासी सत्ता परिवर्तन के पक्ष में, निवेश के भी इच्छुक : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को दावा किया कि बंगाली प्रवासी राज्य में सत्ता परिवर्तन के पक्ष में हैं और उन्होंने यहां निवेश करने की इच्छा जताई है।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस निवेश-अनुकूल माहौल बनाने में ''नाकाम'' रही है, जिसके कारण ही ''कंपनियों का राज्य से पलायन हुआ है''। उन्होंने कहा कि अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर जैसे देशों में काम करने वाले बंगाली भाजपा का समर्थन कर रहे हैं और उनका मानना है कि ''पश्चिम बंगाल के लिए बदलाव जरूरी हो गया है।''

'ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ भाजपा' के सदस्य भी ऑनलाइन माध्यम से संवाददाता सम्मेलन में शामिल हुए।

अमेरिका से संगठन के एक सदस्य ने कहा, विदेशों में कार्यरत बंगाली राज्य से भावनात्मक रूप से जुड़े हैं और इसके विकास में योगदान देना चाहते हैं। उनमें से कई प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लाने और नए उद्यम स्थापित करने के इच्छुक हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र जैसे राज्य अरबों डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करते हैं, जबकि पश्चिम बंगाल इसमें काफी पीछे है।

भट्टाचार्य ने दावा किया, निवेश को बढ़ावा देने वाली एकमात्र पार्टी भाजपा ही है। तृणमूल कांग्रेस के शासन में पश्चिम बंगाल से कंपनियों का पलायन हुआ और करीब 6,300 कंपनियां यहां से बाहर जा चुकी हैं। उन्होंने प्रवासी श्रमिकों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि रोजगार की तलाश में राज्य छोड़कर गए बड़ी संख्या में लोग अब राजनीतिक बदलाव चाहते हैं। उन्होंने कहा, हमारे अनुमान के अनुसार, पश्चिम बंगाल से करीब 40 लाख प्रवासी श्रमिक हैं। हम उनके संपर्क में हैं। वे अपने गृह राज्य में विकास और रोजगार के अवसर चाहते हैं। विधानसभा चुनावों से पहले उनके लिए विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की जा रही है, जिससे वे राज्य में आ रहे हैं। 'ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ भाजपा' के सदस्यों ने आरोप लगाया कि प्रौद्योगिकी से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान तक विभिन्न क्षेत्रों में बंगालियों की वैश्विक सफलता के बावजूद, औद्योगिक विकास की कमी के कारण राज्य इस प्रतिभा का लाभ उठाने में नाकाम रहा है। संगठन के एक सदस्य ने कहा, बंगालियों ने सिलिकॉन वैली से लेकर वैश्विक संस्थानों तक अपनी पहचान बनाई है, लेकिन पश्चिम बंगाल उतनी तेजी से प्रगति नहीं कर पाया है। प्रवासी समुदाय का मानना है कि राज्य को विकास के पथ पर वापस लाने के लिए यह महत्वपूर्ण समय है।

नासा के 'वर्ल्ड नाइट मैप' में चमका उत्तर प्रदेश, राज्य सरकार की ऊर्जा नीति को मिली वैश्विक पहचान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। नासा के 'वर्ल्ड नाइट मैप' पर उत्तर प्रदेश दुनिया के सबसे अधिक प्रकाशित क्षेत्रों में से एक के रूप में उभर रहा है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में इस उपलब्धि को राज्य के ऊर्जा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक करार देते हुए कहा गया है कि यह केवल सैटेलाइट पर दिखने वाली रोशनी का दृश्य आकलन नहीं, बल्कि योगी आदित्यनाथ सरकार की सभी के लिए पर्याप्त बिजली और गुणवत्तापूर्ण बिजली की प्रतिबद्धता का वैश्विक प्रमाण है।

बयान के मुताबिक नासा ने 2014 एवं 2022 के बीच पृथ्वी पर रात की रोशनी में आए बदलाव को दर्शाने वाला वैश्विक मानचित्र जारी किया है जिसके तहत वैज्ञानिकों ने नौ साल तक हर रात जमा की गई 16 लाख सैटेलाइट तस्वीरों का गहन विश्लेषण किया।

बयान के अनुसार नतीजों में साफ दिखा कि शहरीकरण और बुनियादी ढांचे के विस्तार के कारण उत्तरी भारत, खासकर उत्तर प्रदेश (यूपी) और बिहार में रात की रोशनी का स्तर तेजी से बढ़ा है तथा यूपी का यह उजाला वैश्विक मंच पर विकास की नई कहानी लिख रहा है।

बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य ने ऊर्जा क्षेत्र में संरचनात्मक बदलाव किए हैं, जिनका असर अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिख रहा है।

बयान के अनुसार गांव से शहर तक 24 घंटे बिजली पहुंचाने के लिए नीति, प्रबंधन और तकनीक तीनों मोर्चों पर व्यापक सुधार हुए। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा के मार्गदर्शन में विद्युत व्यवस्था को नई दिशा मिली। उत्पादन क्षमता में रिकॉर्ड वृद्धि हुई सौर, तापीय व अन्य स्रोतों को संतुलित कर बढ़ती मांग को पूरा किया जा रहा है।

बयान के मुताबिक पारेषण और वितरण नेटवर्क को मजबूत करने के लिए नए उपकेंद्र बने, जर्जर लाइनों को बदला गया और स्मार्ट ग्रिड तकनीक अपनाई गई। इससे आपूर्ति स्थिर हुई और लाइन लॉस में उल्लेखनीय गिरावट आई।

बयान के अनुसार डिजिटल सुधारों ने बिजली व्यवस्था को उपभोक्ता-केंद्रित बनाया, अब लोग रियल टाइम में खपत देख सकते हैं, बिल जमा करना आसान हुआ है और विद्युत चोरी पर सख्त लगाम लगी है।

बयान में कहा गया है कि नासा का 'वर्ल्ड नाइट मैप' राज्य की ऊर्जा नीति, कुशल प्रबंधन और विकासोन्मुखी सोच पर अंतरराष्ट्रीय मुहर है।

बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री का 'झालमुरी' खरीदने के लिए रुकना 'नाटक' है: ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अचानक झालमुरी खरीदने के लिए रुकना नाटक था।

ममता की यह टिप्पणी मोदी के झाड़ग्राम में चुनाव प्रचार के दौरान बिना तय कार्यक्रम के एक जगह रुककर झालमुरी खरीदने के एक दिन बाद आई है।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने बीरभूम जिले के मुरारई विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करने के दौरान प्रधानमंत्री का नाम लिए बगैर कहा, यह सब नाटक है। चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री पूर्व में तय कार्यक्रम के बिना अचानक रुके, उस समय वहां कैमरा कैसे मौजूद था? पूरा वाकया पहले से तय था। उन्हें जेब में 10 रुपए का नोट लिए देखा गया। क्या इस पर विश्वास किया जा सकता है?

सुविचार

मंजिलें उन्हीं को मिलती हैं, जिनके सपनों में जान होती है, पंखों से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

असफलता का सामना करना भी सिखाएं

देश में विभिन्न बोर्ड परीक्षाओं के नतीजों के बीच कहीं खुशी तो कहीं गम का माहौल देखने को मिल रहा है। वहीं, कुछ बच्चे कम नंबर आने के कारण गलत कदम उठा रहे हैं, जो अत्यंत दु:खद है। हर साल ऐसा ही होता है। क्या हमारी शिक्षा प्रणाली ऐसी नहीं होनी चाहिए, जो हर बच्चे को जीवन जीने के लिए नई ऊर्जा दे? वर्तमान प्रणाली ऐसा नहीं कर रही है। जो बच्चे अच्छे अंक लेकर आते हैं, वे प्रतिभाशाली होते हैं। जो बच्चे किसी कारणवश ऐसा नहीं कर पाते, क्या उनमें कोई प्रतिभा नहीं होती? जब कोई बच्चा गलत कदम उठा लेता है तो दूसरों के लिए वह सिर्फ एक खबर होती है, लेकिन माता-पिता के लिए दु:ख का पहाड़ होता है, जिसे वे कभी नहीं भुला पाते। हर बच्चा न्यूटन-आइंस्टीन नहीं बन सकता। इस बात को समझना होगा। कई बच्चे सालभर पढ़ते हैं, लेकिन परीक्षा में उत्तर लिखते समय भूल जाते हैं या गलतियां कर बैठते हैं। इस वजह से उनके कम नंबर आते हैं। कई बच्चे खूब मेहनत करते हैं, उनके नंबर भी अच्छे आते हैं, लेकिन वे संतुष्ट नहीं होते। वे नतीजे आने के बाद खाना-पीना छोड़ देते हैं। परिजन बड़ी मुश्किल से उन्हें मनाते हैं। ये बच्चे परीक्षा की तैयारी के दौरान और नतीजे आने के बाद खुश नहीं रह पाते। अब समय आ गया है कि शिक्षा प्रणाली में बड़े सुधार हों। यह हर बच्चे की नैसर्गिक प्रतिभा को पहचाने, न कि सिर्फ ज्यादा से ज्यादा नंबर लाने पर जोर दे। इन दिनों सोशल मीडिया पर कई लोग अपने अनुभव साझा करते मिल जाएंगे, जो कभी क्लास टॉपर या बोर्ड टॉपर थे। उस समय उन्होंने अपने नंबरों के आधार पर जीवन को लेकर जो कल्पनाएं की थीं, हकीकत उससे बिल्कुल अलग निकली।

बच्चों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें, लेकिन उन्हें असफलता का सामना करना भी सिखाएं। उन्हें बताएं कि कम नंबर लाना कोई पाप नहीं है। हां, मेहनत करनी चाहिए। बुरी आदतों से दूर रहना चाहिए। खासकर उन आदतों से जो पढ़ाई में प्रदर्शन पर नकारात्मक असर डाल सकती हैं। कई बच्चे सालभर मोबाइल फोन चलाते हैं। उस समय वे पढ़ाई की उपेक्षा करते हैं। जब उनसे कहा जाता है कि 'पढ़ाई की ओर ध्यान नहीं दे रहे हो और मोबाइल फोन बहुत ज्यादा चला रहे हो', तो वे रूठ जाते हैं। इसके बाद उन्हें मनाना पड़ता है, पढ़ाई का महत्त्व समझाना पड़ता है। वे अपनी आदत में सुधार लाने का वादा भी करते हैं, लेकिन अगले दिन वही सब दोहराने लगते हैं। वे ऐसे मौके ढूंढ़ते रहते हैं, जो उन्हें पढ़ाई से बचा लें। उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं होती है कि उनकी पढ़ाई-लिखाई के लिए माता-पिता को बहुत त्याग करने पड़ रहे हैं। उन बच्चों को अनुशासित करना चाहिए। अगर जरूरत पड़े तो मनोवैज्ञानिक परामर्श दिलाना चाहिए, अतिरिक्त कक्षाओं के विकल्प पर विचार करना चाहिए। अगर कोई बच्चा अपनी ओर से पूरी कोशिश कर रहा है। इसके बावजूद नंबरों में कहीं कमी रह जाए तो उसका मनोबल बढ़ाना चाहिए। रिश्तेदारों को एक बात याद रखनी चाहिए- किसी बच्चे की पढ़ाई-लिखाई के मामले में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कई रिश्तेदार ऐसे होते हैं, जो सालभर किसी से मतलब नहीं रखते, लेकिन जब बोर्ड परीक्षा का नतीजा आने वाला होता है तो वे बार-बार फोन करने लगते हैं। वे रोल नंबर मांगते हैं या खुद चले आते हैं। एक तरफ चाय-नाश्ता होता है, दूसरी तरफ बच्चे को ताने मारने का दौर चलता रहता है। आजकल के कई बच्चे इसलिए भी रिश्तेदारों से चिढ़ते हैं, क्योंकि वे परीक्षा के नतीजे आने पर उन्हें सबके सामने लज्जित करते हैं। बच्चों के साथ ऐसा बर्ताव करना ठीक नहीं है। अक्सर ऐसी घटनाएं बाद में गहरी कड़वाहट में बदल जाती हैं।

ट्वीटर टॉक

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन. चंद्रबाबू नायडू को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। मैं भगवान से आपकी अच्छी सेहत, लंबी उम्र और पब्लिक सर्विस में लगातार सफलता की प्रार्थना करता हूँ। आपकी दूर की सोच वाले लीडरशिप में आंध्र प्रदेश विकास और खुशहाली की नई ऊँचाइयों को छुए।

-भजनलाल शर्मा

सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस सोशल जस्टिस, वेलफेयर और लोगों को ध्यान में रखकर चलने वाले शासन के अपने कमिटमेंट में एकजुट है, जिसने तमिलनाडु की तरक्की और सबको साथ लेकर चलने वाले विकास को मज़बूत किया है।

-डीके शिवकुमार

खेती हमारी खुशहाली की नींव है, और हमारे किसान भाई-बहन देश के अन्नदाता हैं। उनकी कड़ी मेहनत और लगन ही देश की तरक्की पक्की करती है खेती धन्य है, खेती पवित्र है, खेती ही जीवों के जीवन को चलाने वाली है।

-अनुराग ठाकुर

प्रेरक प्रसंग

रूप या गुण

सम्राट चंद्रगुप्त ने एक दिन अपने प्रतिभाशाली मंत्री चाणक्य से कहा- कितना अच्छा होता कि तुम अगर रूपवान भी होते। चाणक्य ने उत्तर दिया, महाराज रूप तो मृगतृष्णा है। आदमी की पहचान तो गुण और बुद्धि से ही होती है, रूप से नहीं। क्या कोई ऐसा उदाहरण है जहाँ गुण के सामने रूप फीका दिखे। चंद्रगुप्त ने पूछा। ऐसे तो कई उदाहरण हैं महाराज, चाणक्य ने कहा, पहले आप पानी पीकर मन को हल्का करें बाद में बात करेंगे। फिर उन्होंने दो पानी के गिलास बारी बारी से राजा की ओर बढ़ा दिये। महाराज पहले गिलास का पानी इस सोने के घड़े का था और दूसरे गिलास का पानी काली मिट्टी की उस मटकी का था। अब आप बताएँ, किस गिलास का पानी आपको मीठा और स्वादिष्ट लगा। सम्राट ने जवाब दिया- मटकी से भरे गिलास का पानी शीतल और स्वदिष्ट लगा एवं उससे तृप्ति भी मिली। वहाँ उपस्थित महारानी ने मुस्कुराकर कहा, महाराज हमारे प्रधानमंत्री ने बुद्धिचातुर्य से प्रश्न का उत्तर दे दिया। भला यह सोने का खूबसूरत घड़ा किस काम का जिसका पानी बेस्वाद लगता है। दूसरी ओर काली मिट्टी से बनी यह मटकी, जो कुरूप तो लगती है लेकिन उसमें गुण छिपे हैं। उसका शीतल सुस्वादु पानी पीकर मन तृप्त हो जाता है।

सामयिक

भारतीय जहाजों पर फायरिंग के मायने?

महेन्द्र तिवारी

ईरान के दृष्टिकोण का विश्लेषण करना भी यहाँ आवश्यक हो जाता है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, जो इस क्षेत्र में अत्यधिक सक्रिय है, ने इस मार्ग पर अपना कड़ा नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया है। कुछ गोपनीय विवरणों से यह भी संकेत मिले कि ईरान के भीतर प्रशासनिक और सैन्य नेतृत्व के मध्य इस विषय पर मतभेद थे कि इस जलमार्ग का उपयोग किस सीमा तक एक हथियार के रूप में किया जाना चाहिए। एक पक्ष जहां इसे कूटनीतिक सौदेबाजी का साधन मानता था, वहीं दूसरा पक्ष इसे पूर्णतः अवरुद्ध करने के पक्ष में था।

होर्मुज जलडमरूमध्य की भौगोलिक स्थिति इसे वैश्विक राजनीति के केंद्र में खड़ा करती है और 18 अप्रैल 2026 की घटना ने इस तथ्य को एक बार फिर निर्विवाद रूप से प्रमाणित कर दिया है। उस दिन की सुबह जब भारत के ध्वज वाले दो व्यापारिक पोतों पर ईरानी गनबोट्स द्वारा गोलाबारी की गई, तो यह केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि एक विशाल अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक संकट का संकेत था। इस घटना के पीछे के सत्य को समझने के लिए हमें उस समय की जटिल भू-राजनीतिक परिस्थितियों और समुद्री व्यापार के महत्त्व को गहराई से देखना होगा। होर्मुज जलडमरूमध्य एक ऐसा संकरा समुद्री मार्ग है जहां से विश्व की लगभग 20 प्रतिशत तेल और प्राकृतिक ईंधन की आपूर्ति होती है। भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए 90 प्रतिशत तक आयात पर निर्भर है, इस मार्ग की सुरक्षा सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हुई है। 18 अप्रैल को जब भारतीय तेलवाहक पोत लगभग 20 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर इस मार्ग से गुजर रहे थे, तब अचानक हुई फायरिंग ने वैश्विक बाजारों में हलचल मचा दी। यद्यपि इस हमले में किसी भी नाविक की जान नहीं गई और न ही पोत को कोई स्थायी क्षति पहुँची, परंतु इसके रणनीतिक परिणाम अत्यंत गंभीर थे। जहाजों के चालक दल ने जैसे ही आपातकालीन संकेत भेजे, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पोतों का मार्ग बदलना पड़ा और उन्हें सुरक्षित जलक्षेत्र की ओर वापस लौटना पड़ा। इस घटना का समय अत्यंत संवेदनशील था क्योंकि अप्रैल 2026 में ही अमेरिका ने ईरान के विरुद्ध कड़ा समुद्री प्रतिबंध और नाकाबंदी लागू की थी। इस वैश्विक दबाव के प्रत्युत्तर में ईरान ने घोषणा की थी कि यदि उसके आर्थिक हितों को अवरुद्ध किया गया, तो वह इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को किसी के लिए भी सुरक्षित नहीं रहने देगा। इसी पृष्ठभूमि में भारतीय पोतों को लक्ष्य बनाना एक प्रकार का रणनीतिक संदेश था जो न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक चेतावनी के समान था।

इस घटना की जड़ें मार्च 2026 से चली आ रही अस्थिरता में भी निहित हैं। उस महीने के दौरान भी कई अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर मानवरहित विमानों और प्रक्षेपास्त्रों से हमले हुए थे, जिसमें दुर्भाग्यवश कुछ भारतीय नाविकों को अपने प्राण गंवाने पड़े थे। उन घटनाओं के बाद से ही समुद्री बीमा कंपनियों ने इस क्षेत्र को उच्च जोखिम वाला क्षेत्र घोषित कर दिया था, जिससे माल ढुलाई की लागत में भारी वृद्धि हुई थी। 18 अप्रैल की फायरिंग ने इस असुरक्षा को और अधिक गहरा कर दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस पर अत्यंत तीव्र और स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। नई दिल्ली में ईरान के राजदूत को तुरंत तलब किया गया और उन्हें भारत की गहरी चिंता से अवगत कराया गया। भारत के विदेश सचिव ने अपने आधिकारिक वक्तव्य में बिना किसी संकोच के यह स्पष्ट किया कि भारतीय नाविकों और व्यापारिक हितों की सुरक्षा पर कोई भी समझौता संभव नहीं है। भारत का यह कड़ा रुख इस बात का प्रमाण था कि अब वह वैश्विक स्तर पर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सैन्य और कूटनीतिक दोनों मोर्चों पर सक्रिय है। इस संकट के दौरान भारतीय नौसेना ने अपनी तत्परता का प्रदर्शन करते हुए ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा को और अधिक विस्तारित किया। इस अभियान के अंतर्गत भारतीय युद्धपोतों को व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया ताकि वे बिना किसी भय के इस खतरनाक मार्ग को पार कर सकें। यह न केवल भारतीय जहाजों को सुरक्षा प्रदान करने की रणनीति थी, बल्कि विश्व समुदाय को यह दिखाने का प्रयास भी था कि भारत अपनी समुद्री सीमाओं और व्यापारिक मार्गों की रक्षा करने में पूर्णतः सक्षम है।

ईरान के दृष्टिकोण का विश्लेषण करना भी यहाँ आवश्यक हो जाता है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स, जो इस क्षेत्र में अत्यधिक सक्रिय है, ने इस मार्ग पर अपना कड़ा नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया है। कुछ गोपनीय विवरणों से यह भी संकेत मिले कि ईरान के भीतर प्रशासनिक और सैन्य नेतृत्व के मध्य इस विषय पर मतभेद थे कि इस जलमार्ग का उपयोग किस सीमा तक एक हथियार के रूप में किया जाना चाहिए। एक पक्ष जहां इसे कूटनीतिक सौदेबाजी का साधन मानता था, वहीं दूसरा पक्ष इसे पूर्णतः अवरुद्ध करने के पक्ष में था। इन आंतरिक विरोधाभासों ने स्थिति को और अधिक अनिश्चित बना दिया था। इस अनिश्चितता का प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा। अप्रैल 2026 के उन दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में अभूतपूर्व उछाल देखा गया, जिससे विश्व भर के शेयर बाजारों में अस्थिरता व्याप्त हो गई। भारत के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती थी: एक ओर ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और दूसरी ओर ईरान के साथ अपने पारंपरिक मित्रवत संबंधों को बचाए रखना। भारत ने अपनी कूटनीति का परिचय देते हुए संतुलन बनाए रखा। उसने जहां फायरिंग की निंदा की, वहीं संवाद के द्वार भी खुले रखे। इसके परिणामस्वरूप ईरान ने भी बाद में नरम रुख अपनाते हुए भारत के साथ संबंधों की महत्ता को स्वीकार किया और वार्ता के माध्यम से समाधान निकालने पर सहमति व्यक्त की।

यह संपूर्ण घटनाक्रम इस सत्य को उजागर करता है कि भविष्य में समुद्री मार्ग ही शक्ति प्रदर्शन के मुख्य केंद्र होंगे। अब युद्ध केवल भूमि तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि आर्थिक नाकाबंदी और व्यापारिक मार्गों पर नियंत्रण आधुनिक युद्धनीति के प्रमुख अंग बन चुके हैं। 18 अप्रैल 2026 की उस घटना ने भारत को अपनी भविष्य की समुद्री रणनीति पर पुनर्विचार करने के लिए विवश किया है।

भारत अब वैकल्पिक ऊर्जा मार्गों और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है ताकि किसी भी एक मार्ग की अस्थिरता देश की अर्थव्यवस्था को पंगु न बना सके। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समुद्री सुरक्षा के नियमों को कड़ाई से लागू करने के लिए भारत की आवाज अब पहले से कहीं अधिक बुलंद हुई है। यह फायरिंग केवल एक आकस्मिक घटना नहीं थी, बल्कि एक नए युग की आहट थी जिसमें समुद्री संप्रभुता ही राष्ट्रों की वास्तविक शक्ति का निर्धारण करेगी। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य का यह संकट विश्व की प्रमुख शक्तियों के बीच चल रहे संघर्ष का एक छोटा सा अंश था, जिसने भारत को अपनी सुरक्षा तैयारियों और कूटनीतिक कौशल को परखने का एक गंभीर अवसर प्रदान किया। आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की स्थिरता ही यह तय करेगी कि वैश्विक व्यापार कितना सुरक्षित और निर्बाध रह पाता है।

नजरिया

सड़कों को मौत नहीं, जीवन का रास्ता बनाएं

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

सड़क दुर्घटनाओं की आर्थिक और सामाजिक कीमत भी बहुत बड़ी होती है। एक दुर्घटना केवल एक व्यक्ति की जान नहीं लेती, बल्कि पूरे परिवार को संकट में डाल देती है। कई बार परिवार का कमाने वाला सदस्य खो जाता है, जिससे आर्थिक और मानसिक दोनों तरह का नुकसान होता है। इस ष्टि से सड़क सुरक्षा केवल एक तकनीकी मुद्दा नहीं, बल्कि एक मानवीय समस्या है, जिस पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है।

सड़कें जीवन को जोड़ने के लिए बनाई जाती हैं, उसे समाप्त करने के लिए नहीं। लेकिन भारत में आज हालात कुछ और ही कहानी कहते हैं। खासकर राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं ने इन जीवनदायी रास्तों को मानो मौत के गलियारे में बदल दिया है। यह चिंताजनक स्थिति केवल चालकों की लापरवाही का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारी अव्यवस्थित योजना, कमजोर कानून-प्रवर्तन और प्रशासनिक जवाबदेही की कमी का सम्मिलित दुष्परिणाम है। हाल ही में न्यायपालिका द्वारा जताई गई चिंता और दिए गए निर्देश इस संकट की गंभीरता को स्पष्ट करते हैं, लेकिन जब तक व्यवस्था की गहराई में मौजूद खामियों को दूर नहीं किया जाएगा, तब तक ये प्रयास केवल अस्थायी राहत ही बनकर रह जाएंगे।

भारत में सड़क नेटवर्क का तेजी से विस्तार, विशेषकर राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे का निर्माण, विकास और प्रगति का प्रतीक माना जाता है। बेहतर कनेक्टिविटी, कम यात्रा समय और व्यापारिक सुगमता ने अर्थव्यवस्था को गति दी है। लेकिन इस विकास की एक बड़ी कीमत भी चुकानी पड़ रही है। आंकड़े बताते हैं कि देश की कुल सड़कों में राष्ट्रीय राजमार्गों की हिस्सेदारी बहुत कम है, फिर भी सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों का बड़ा हिस्सा इन्हीं पर होता है। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि समस्या केवल यातायात की संख्या नहीं, बल्कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता, डिजाइन और प्रबंधन से जुड़ी है।राजमार्गों पर दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण ट्रैफिक नियमों का पालन न करना है। तेज गति यानी ओवरस्पीडिंग आज भी सबसे बड़ी वजह बनी हुई है। जिन सड़कों को तेज और सुगम यात्रा के लिए बनाया जाता है, वहीं गति नियंत्रण के पर्याप्त साधन नहीं होते। इसके साथ ही लापरवाह ड्राइविंग, जैसे लेन अनुशासन की कमी, अचानक ओवरटेक करना और सुरक्षा नियमों की अनदेखी दुर्घटनाओं के खतरे को और बढ़ा देती है। जब नियमों का पालन सख्ती से नहीं होता, तो लोग उन्हें हल्के में लेने लगते हैं और यही लापरवाही जानलेवा साबित होती है।

एक बड़ी समस्या है राजमार्गों के किनारे अवैध पार्किंग और अतिक्रमण। अक्सर ट्रक और बसें सड़क के किनारे या कई बार मुख्य मार्ग पर ही खड़ी कर दी जाती हैं, खासकर रात के समय। तेज रफ्तार से चल रहे वाहनों के लिए यह अचानक सामने आने वाली बाधा घातक साबित होती है। इसके अलावा, सड़क किनारे ढाबे, दुकानें और अस्थायी बाजार भी अतिक्रमण कर लेते हैं, जिससे पैदल लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है और यातायात बाधित होता है। ये सभी स्थितियाँ मिलकर सड़कों को असुरक्षित और अनिश्चित बना देती हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमियाँ भी दुर्घटनाओं को बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाती हैं। कई जगहों पर सड़कें ठीक तरह से डिजाइन नहीं की गई होतीं, संकेतक (साइन बोर्ड) पर्याप्त नहीं होते, रोशनी की कमी रहती है और जरूरी जगहों पर सुरक्षा बैरियर नहीं लगाए जाते। कई बार राजमार्ग घनी आबादी वाले क्षेत्रों से गुजरते हैं, लेकिन वहां पैदल पारपथ, सर्विस लेन या गति नियंत्रित करने के उपाय नहीं होते। इससे यह स्पष्ट होता है कि सड़क निर्माण में सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी जाती, बल्कि केवल गति और विस्तार पर जोर दिया जाता है।

जवाबदेही की कमी भी इस समस्या को और गंभीर बनाती है। सड़क प्रबंधन में कई एजेंसियाँ शामिल होती हैं- राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, राज्य सरकारें, ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय प्रशासन। लेकिन इनके बीच समन्वय की कमी के कारण काम सही ढंग से नहीं हो पाता। जब कोई दुर्घटना होती है, तो जिम्मेदारी तय करना मुश्किल हो जाता है और अक्सर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। इस बिखरी हुई व्यवस्था के कारण लापरवाही बनी रहती है और सुधार की गति धीमी पड़ जाती है। न्यायपालिका ने इस स्थिति को सुधारने के लिए कई निर्देश दिए हैं, जैसे अतिक्रमण हटाना, पार्किंग को नियंत्रित करना, आधुनिक निगरानी प्रणाली लगाना और विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करना। ये कदम निश्चित रूप से जरूरी हैं, लेकिन इनकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि इन्हें कितनी गंभीरता से लागू किया जाता है। हमारे देश में अक्सर अच्छे नियम बनाए जाते हैं, लेकिन उनका पालन सही ढंग से नहीं हो पाता। इसलिए असली चुनौती नीतियाँ बनाना नहीं, बल्कि उन्हें जमीन पर उतारना है।

तकनीक भी सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम, स्पीड कैमरा, नंबर प्लेट पहचान प्रणाली और रियल-टाइम मॉनिटरिंग जैसे उपाय नियमों के पालन को सुनिश्चित कर सकते हैं। डेटा के आधार पर दुर्घटना-प्रवण क्षेत्रों की पहचान कर वहां विशेष कदम उठाए जा सकते हैं। लेकिन तकनीक तभी प्रभावी होगी, जब उसके साथ मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था और जवाबदेही भी जुड़ी हो। सड़क सुरक्षा में आम लोगों की भूमिका भी बेहद अहम है। अक्सर इसे केवल सरकार की जिम्मेदारी माना जाता है, लेकिन यह हर नागरिक का कर्तव्य भी है। वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाना, मोबाइल फोन का उपयोग न करना, लेन का पालन करना और गति सीमा का सम्मान करना जैसे छोटे-छोटे कदम भी कई जिंदगियाँ बचा सकते हैं। जागरूकता अभियान और सख्त दंड व्यवस्था लोगों में जिम्मेदारी की भावना विकसित कर सकते हैं।

हालांकि यह भी सच है कि केवल व्यक्तिगत सावधानी से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। यदि सड़कें ही खराब हों, संकेतक न हों या अचानक अवरोध सामने आ जाए, तो सावधान चालक भी दुर्घटना का शिकार हो सकता है। इसलिए सड़क सुरक्षा को एक साझा जिम्मेदारी के रूप में देखना होगा, जिसमें सरकार और नागरिक दोनों की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण हो। एक और महत्वपूर्ण पहलू है आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था।

कई मामलों में समय पर इलाज मिलने से जान बचाई जा सकती है, लेकिन अक्सर एंबुलेंस देर से पहुंचती है या आसपास उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं होती। यदि राजमार्गों के किनारे आधुनिक ट्रॉमा सेंटर और बेहतर एंबुलेंस नेटवर्क विकसित किए जाएँ, तो मृत्यु दर को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

सड़क दुर्घटनाओं की आर्थिक और सामाजिक कीमत भी बहुत बड़ी होती है। एक दुर्घटना केवल एक व्यक्ति की जान नहीं लेती, बल्कि पूरे परिवार को संकट में डाल देती है। कई बार परिवार का कमाने वाला सदस्य खो जाता है, जिससे आर्थिक और मानसिक दोनों तरह का नुकसान होता है। इस दृष्टि से सड़क सुरक्षा केवल एक तकनीकी मुद्दा नहीं, बल्कि एक मानवीय समस्या है, जिस पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। अब समय आ गया है कि हम सड़क निर्माण और प्रबंधन के अपने दृष्टिकोण को बदलें। हर स्तर पर सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, चाहे वह योजना बनाना हो, निर्माण करना हो या संचालन करना। अंतरराष्ट्रीय मानकों को अपनाना, नियमित सुरक्षा जांच करना और जोखिम कम करने वाले उपायों को लागू करना बेहद जरूरी है। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों के लिए सख्त दंड और पारदर्शी जवाबदेही व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी।

सच कहें तो यहां एक प्रश्न उठता है कि भारत विश्वस्तरीय सड़कें बना सकता है या नहीं, बल्कि यह है कि क्या वह उन्हें अपने नागरिकों के लिए सुरक्षित बना सकता है। ऐसा विकास, जो मानव जीवन की कीमत पर हो, वास्तव में विकास नहीं कहा जा सकता। सड़कें अवसर, प्रगति और जुड़ाव का प्रतीक होनी चाहिए, न कि भय और मृत्यु का।

वास्तव में राजमार्गों पर बढ़ती दुर्घटनाएँ हमारे विकास मॉडल की कमजोरियों को उजागर करती हैं। नीतियाँ और न्यायिक निर्देश दिशा दिखाते हैं, लेकिन उनकी सफलता हमारे सामूहिक प्रयासों पर निर्भर करती है। अब समय है कि सड़कें मौत के गलियारे नहीं, बल्कि सुरक्षित और सुगम यात्रा के मार्ग बनें। तभी हम सच्चे अर्थों में विकास को सार्थक बना पाएंगे और मानव जीवन की गरिमा को बनाए रख सकेंगे।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग केस

जैकलीन फर्नांडिस की अप्रूवर बनने की अर्जी पर सुनवाई टली, अब 8 मई को होगा फैसला

नई दिल्ली/एजेन्सी

200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक बार फिर नया मोड़ सामने आया है। दरअसल, बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की ओर से सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने के लिए दाखिल अर्जी पर पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई टल गई है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 8 मई को होगी। जानकारी के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा है, साथ ही एजेंसी ने जैकलीन की इस अर्जी का विरोध भी किया है। सुनवाई के दौरान ईडी ने अदालत के सामने कहा कि जैकलीन की ओर से दायर की गई अर्जी आधारहीन है। साथ ही कोर्ट से अतिरिक्त समय की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार किया। इससे पहले पिछली सुनवाई में कोर्ट ने जैकलीन की अर्जी पर ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। यह मामला कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा हुआ है, जिस पर 200 करोड़ रुपए की ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप हैं। इस हाई-प्रोफाइल केस में जैकलीन

फर्नांडिस का नाम तब सामने आया था, जब जांच एजेंसी ने दावा किया कि सुकेश ने ठगी के पैसों से उन्हें कई महंगे गिफ्ट्स दिए थे। इसी आधार पर ईडी ने उन्हें इस मामले में आरोपी बनाया था।

जैकलीन ने हाल ही में कोर्ट में अर्जी दाखिल कर यह इच्छा जताई थी कि वह इस मामले में सरकारी गवाह बनना चाहती हैं और जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करने के लिए तैयार हैं। लेकिन ईडी ने उनके इस कदम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि फिलहाल उनकी अर्जी को स्वीकार करने का कोई ठोस आधार नहीं दिखता। मामले की शुरुआत 2021 में हुई थी, जब दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप था कि उसने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटरों के परिवार से करीब 200 करोड़ रुपए की ठगी की। बाद में इस मामले की जांच ईडी ने अपने हाथ में ली और मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से जांच शुरू की।

जांच के दौरान सामने आया कि सुकेश ने कथित तौर पर इस पैसे का इस्तेमाल कई लोगों को महंगे तोहफे देने में किया, जिनमें जैकलीन फर्नांडिस का नाम भी शामिल था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें लग्जरी बैग, डायमंड ज्वेलरी, महंगी घड़ियां और अन्य कीमती सामान दिए गए थे, जिसके चलते ईडी ने उन्हें भी इस केस में आरोपी के तौर पर शामिल किया। वहीं, जैकलीन का कहना है कि उन्हें सुकेश की असलियत के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उनका दावा है कि सुकेश ने खुद को एक बड़े बिजनेसमैन के रूप में पेश किया और उन्हें गुमराह किया।

प्रचार

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चुनाव प्रचार करते हुए।

हम अब विश्वगुरु नहीं हैं; संस्कृत को बढ़ावा देने की आवश्यकता : जोशी

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने संस्कृत के व्यापक प्रचार-प्रसार और 'क्वांटम कंप्यूटिंग' में भी इसके उपयोग की वकालत करते हुए सोमवार को कहा कि भारत अब विश्वगुरु नहीं है और इस शब्द का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए।

जोशी ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से बात करते हुए संस्कृत को भारत की राजभाषा बनाने की भी जोरदार वकालत की और कहा कि भीम राव अंबेडकर सहित कई लोगों ने अतीत में इसके लिए प्रयास किए थे, लेकिन प्रस्तावों को मंजूरी नहीं मिली। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध संस्कृत भारती के केंद्रीय कार्यालय के उदघाटन के अवसर पर संवाददाताओं से बात कर रहे थे। भारत के विश्वगुरु के रूप में उभरने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र के रूप में भी अपनी पहचान बनाने के दौरान संस्कृत के संवर्धन में देश की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह धारणा कि हम विश्वगुरु हैं... मेरा व्यक्तिगत रूप से मानना है कि वर्तमान में हमें इस शब्द का प्रयोग करने से परहेज करना चाहिए। हम वर्तमान में विश्वगुरु नहीं हैं। हमें विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखनी चाहिए।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, सचमुच, एक समय हम विश्वगुरु थे। लेकिन आज वास्तविकता यह है कि हम वर्तमान में (विश्वगुरु) नहीं हैं।

जोशी ने कहा कि इस दृष्टिकोण से, संस्कृत आज बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने संस्कृत भाषा को और अधिक बढ़ावा देने और 'क्वांटम कंप्यूटिंग' सहित आधुनिक वैज्ञानिक कार्यों में इसके उपयोग की वकालत करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, संस्कृत केवल भारत की ही नहीं, बल्कि विश्व की विरासत है। यह सबसे प्राचीन भाषा है। यह ज्ञान और विज्ञान की भाषा है। यह आध्यात्मिकता की भाषा है। यह प्रौद्योगिकी की भाषा भी है। संस्कृत भारत का प्राण है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, यहां तक कि नासा के विशेषज्ञों ने भी बार-बार इस बात की पुष्टि की है कि वास्तव में संस्कृत ही कंप्यूटिंग के लिए सबसे महत्वपूर्ण भाषा है। जिसे वर्तमान में क्वांटम कंप्यूटिंग कहा जाता है, उसमें संस्कृत का विशेष महत्व होगा। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यदि हम संस्कृत को जल्द से जल्द कंप्यूटिंग की भाषा बना दें तो यह भारत की ओर से एक अभूतपूर्व योगदान होगा।

संस्कृत को भारत की राजभाषा बनाने का समर्थन करते हुए जोशी ने कहा कि जब अधिकांश कार्य इस प्राचीन भाषा में किया जाएगा, तो यह देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा, संविधान के निर्माण के समय, डॉ. अंबेडकर ने भी संस्कृत को भारत की राजभाषा बनाने का प्रयास किया था। कई व्यक्तियों ने इस संबंध में प्रस्ताव रखे थे। हालांकि, ये प्रस्ताव पारित नहीं हो सके। उन्होंने कहा, मेरा यह कहना है कि उस समय भी बहुत से लोग चाहते थे कि कि संस्कृत भारत की राजभाषा हो।

स्वागत

केदारनाथ मंदिर में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आतंकवाद निरोधी दस्ते के जवान तैनात किए गए। चार धाम यात्रा से पहले उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में सोमवार तीर्थयात्रियों का स्वागत भी किया गया।

मनीषा कोइराला का कला के प्रति प्रेम, दिखाई नेपाल संस्कृति की अद्भुत झलक

मुंबई/एजेन्सी

'दिल से,' 'मन,' और 'गुप्त' समेत कई फिल्मों में शानदार अभिनय करने वालीं मनीषा कोइराला आज भी पर्दे पर सक्रिय हैं। अभिनेत्री को आखिरी बार संजय लीला भंसाली की पीरियड ड्रामा 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में देखा गया था। अभिनेत्री कला से जुड़े अपने अनुभव को कई बार जाहिर कर चुकी है। अब उन्होंने हाल ही में नेपाल के म्यूजियम का दौरा किया, जहां उन्होंने नेपाल की संस्कृति और कला से रूबरू कराया। मनीषा कोइराला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वह अपने दोस्तों के साथ समय बिता रही हैं।

अभिनेत्री का मानना है कि उनके लिए उनके दोस्त ही सबसे बड़ी कुंजी हैं। हालांकि इसके अलावा, अभिनेत्री ने नेपाल म्यूजियम की फोटोज शेयर की हैं, जिसमें बौद्ध और हिंदू धर्म एक साथ देखने को मिल रहा है। फोटो में एक तरफ भगवान शिव के नटराज अवतार की पेंटिंग तो दूसरी तरफ बौद्ध संस्कृति को दिखाती तस्वीरें हैं। एक पेंटिंग में अलग-अलग भाषाओं में कई मंत्र लिखे हैं, जबकि कुछ पेंटिंग मां काली के रौद्र रूप को दिखाती हैं।

उन्होंने प्यारी और कला को दर्शाती फोटोज को शेयर कर लिखा, मुझे कुछ अद्भुत कलाकारों और मेरे दोस्तों का काम नेपाली कला संग्रहालय में देखने का मौका मिला। थंका और पौभा, समृद्ध नेवारी कला परंपराओं के प्रति मेरा प्रेम समय के साथ और गहरा होता जा रहा है। हर कलाकृति में ऐसी भक्ति, इतिहास और आत्मा समाई हुई है। इसे देखना और इसके बारे में सीखना सचमुच एक विशेष अनुभव है।

अभिनेत्री ने बताया कि हर कलाकृति को इतने प्यार से तैयार किया गया कि बिल्कुल जीवंत लगती हैं। हर प्रतिमा से कुछ न कुछ सीखने को मिल रहा है। मनीषा ने इस बात का खुलासा किया कि उनकी भाभी भी काफी सालों से नेपाल में रहकर आर्ट एकेडमी चला रही हैं।

उन्होंने कहा कि, 'किसी भी विदेशी महिला के लिए इस तरह की संस्था को बिल्कुल शुरुआत से शुरू करना आसान नहीं होता। आज उनकी लगन और मेहनत की बदौलत ही इस संस्था ने एक मजबूत और सम्मानित नाम कमाया है।'

'ब्लैक होल' की प्लाज्मा किरणों को अपने साथ 'नचाती' है साथी तारे की हवा

पर्थ। ब्रह्मांड के सबसे ज्यादा गुरुत्वाकर्षण वाले क्षेत्र 'ब्लैक होल' लगभग प्रकाश की गति से पदार्थ को बाहर की ओर प्रक्षेपित कर सकते हैं, जो शक्तिशाली प्लाज्मा किरणों के रूप में होते हैं जिन्हें जेट कहा जाता है।माना जाता है कि ये जेट ब्रह्मांड की सबसे ऊर्जावान घटनाओं में से एक हैं। आज 'नेचर एस्ट्रोनॉमी' में प्रकाशित हमारा नया शोध इस धारणा को चुनौती देता है।हमने पाया कि किसी तारे से आने वाली हवा जैसी साधारण चीज भी इन ताकतवर जेट्स के व्यवहार को प्रभावित कर सकती है और कभी-कभी उनके बराबर ताकत दिखा सकती है।

सिग्नस एक्स-1 प्रणाली एक ब्लैक होल और एक विशाल तारे के बीच का एक ब्रह्मांड नृत्य है। यह अब तक खोजा गया पहला 'ब्लैक होल' है। इसका द्रव्यमान हमारे सूर्य के द्रव्यमान का लगभग 21 गुना है, जो लगभग 100 किलोमीटर के क्षेत्र में संकुचित है। यह एक द्विआधारी प्रणाली में है जिसमें एक बहुत बड़ा सहोदर तारा है जिसका द्रव्यमान सूर्य के द्रव्यमान का लगभग 40 गुना है।ब्लैक होल और तारा अपनी कक्षा में एक दूसरे के चारों ओर हर 5.6 दिन में एक बार चक्कर लगाते हैं।लगभग 20,000 वर्षों से 'ब्लैक होल' इस तारे से पदार्थ ग्रहण कर रहा है। यह तारे की शक्तिशाली पवन को अपने तीव्र गुरुत्वाकर्षण बल का उपयोग करके ग्रहण करता है। इस पदार्थ का कुछ हिस्सा ब्लैक होल में समा जाता है, और एकतरफा यात्रा में उस बिंदु (इवेंट होराइजन) को पार कर जाता है जहां से वापसी संभव नहीं है। गैस के साथ खींचे गए घूमते हुए चुंबकीय क्षेत्र इन जेट को उत्पन्न करते हैं, जो लगभग प्रकाश की गति से चलते हैं।

इवेंट होराइजन वह काल्पनिक सीमा है जो ब्लैक होल के चारों ओर होती है। इसके अंदर गुरुत्वाकर्षण इतना ज़्यादा होता है कि कुछ भी, यहां तक कि प्रकाश भी, बाहर नहीं निकल सकता। ये जेट ब्लैक होल के निकट से ऊर्जा को एक हजार अरब गुना अधिक दूरी तक, यानी 16 प्रकाश वर्ष दूर तक ले जाते हैं।पिछले 20,000 वर्षों में इनकी क्रिया ने आसपास के अंतरतारकीय अंतरिक्ष में गर्म गैस के एक विशाल बुलबुले को और फुला दिया है।

एक घटना की वजह से कैरियर के पीक पर ममता कुलकर्णी ने छोड़ा था बॉलीवुड

मुंबई/एजेन्सी

शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान जैसे बड़े स्टार्स के साथ काम कर सुपरहिट फिल्में देने वाली ममता कुलकर्णी अध्यात्म की राह पर हैं। उन्होंने अपने करियर की पीक पर फिल्मों से दूरी बना ली थी। किसी को नहीं पता था कि 'तिरंगा', 'आशिक आवारा', 'करन-अर्जुन' और 'क्रांतिवीर' जैसी सुपरहिट फिल्में देने वाली ममता एक झटके में बॉलीवुड छोड़ देंगी, लेकिन ममता ने अपनी मां की वजह से हिंदी सिनेमा से दूरी बना ली थी। 20 अप्रैल को मराठी परिवार में जन्मी ममता कुलकर्णी को हिंदी और अंग्रेजी दोनों ही अच्छे तरीके से नहीं आती थी, लेकिन फिर भी उन्होंने 90 के दशक की सुपरहिट फिल्मों में काम किया। हिंदी सिनेमा से पहले अभिनेत्री ने तमिल सिनेमा में अपने करियर को चमकाने की कोशिश की और पहली फिल्म उन्हें 1991 में 'ननबरगल' मिली, जिसके बाद साल 1992 में तेलुगु रोमांस ड्रामा 'प्रेमा शिखराम' में काम किया।

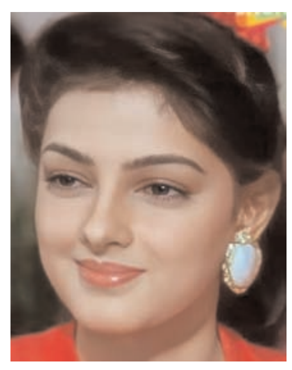

इसी साल ममता की किस्मत चमकी और उन्होंने पहली हिंदी फिल्म 'तिरंगा' से बॉलीवुड में कदम रखा। मल्टीस्टारर फिल्म होने के बाद भी ममता के खूबसूरत चेहरे और कर्ली बालों ने लोगों का दिल जीत लिया।खुद ममता ने इस बात का जिक्र कई बार किया कि सिनेमा में उन्हें काम के लिए किसी तरह की परेशानी नहीं हुई, बल्कि उन्हें जो फिल्में ऑफर होती थी, तो वे कोशिश करती थी कि किसी को मना न करें।1993 में आई फिल्म 'आशिक आवारा' ने ममता को स्टार बना दिया। इस फिल्म के लिए उन्हें 'फिल्मफेयर न्यू फेस' अवॉर्ड से नवाजा गया और सुपरहिट का सिलसिला चलता रहा। हालांकि, साल 2000 के आते-आते उन्होंने अध्यात्म को अपनी नई मंजिल चुना।एक समय ऐसा आया, जब दुबई के रहने वाले अंडरवर्ल्ड ड्रग माफिया विक्की गोस्वामी के साथ उनके रिश्ते की वजह से बी-टाउन में अभिनेत्री के लिए काम करना मुश्किल हो गया। निर्देशक उनके साथ फिल्म करने से कतराने लगे और फिर साल 2002 आते-आते उन्होंने बॉलीवुड को अलविदा कह दिया।

उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में कहा था कि फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने से पहले 30-40 फिल्में ऑफर हुई थी, लेकिन मेरा मन समझ चुका था कि यह सब भ्रम है। मैंने नौ दिन मां की आराधना की। वहीं, मेरी मां का भी निधन हो गया। उनके जाने के बाद मेरे अंदर कोई इच्छा नहीं बची थी और मुझे हिंदी सिनेमा में काम नहीं करना था। जिस सिनेमा ने मुझे सब कुछ दिया, उसे छोड़कर मैं 23 साल इन सभी चीजों से दूर रही और मुझे फिल्मों में वापसी का कोई शौक नहीं है।

बबीता : कम फिल्मों से छोड़ा बड़ा असर, हर तरह के किरदार से बनाई अलग पहचान

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा के सुनहरे दौर की अभिनेत्री बबीता का नाम उन कलाकारों में लिया जाता है, जिन्होंने कम समय में भी अपनी मजबूत पहचान बनाई। उन्होंने खुद को कभी एक जैसे किरदारों तक सीमित नहीं रखा। रोमांस हो, पारिवारिक कहानी हो या कॉमेडी किरदार, बबीता हर तरह के रोल में नजर आईं। यही वजह है कि उनका छोटा सा करियर भी काफी यादगार बन गया। बबीता का जन्म 20 अप्रैल 1947 को कराची में हुआ था। उनके पिता हरि शिवदासानी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े थे, इसलिए उन्हें बचपन से ही अभिनय का माहौल मिला। उन्होंने बहुत कम उम्र में ही फिल्मों की दुनिया में कदम रख दिया। साल 1966 में आई फिल्म 'दस लाख' से उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में उनका किरदार रीता एक साधारण, लेकिन भावनात्मक लड़की का था, जिसने दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके बाद, बबीता को पहचान फिल्म 'राज' से मिली, जिसमें उनके साथ राजेश खन्ना थे। इस फिल्म में उन्होंने एक रहस्यमयी किरदार निभाया। भले ही फिल्म बड़ी हिट नहीं रही, लेकिन बबीता की एक्टिंग को सराहा गया और उन्हें इंडस्ट्री में आगे काम मिलने लगा।

उनके करियर का एक बड़ा मोड़ फिल्म 'फर्ज' से आया, जिसमें उन्होंने एक रोमांटिक लड़की का रोल निभाया। यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई और बबीता को स्टार बना दिया। इसके बाद उन्होंने 'हसीना मान जाएगी' में एक मजेदार किरदार में नजर आई और अपनी कॉमिक टाइमिंग भी साबित की। वहीं, 'किस्मत' में उनका किरदार ज्यादा गंभीर था।साल 1969 में आई फिल्म 'एक श्रीमान एक श्रीमती' में उन्होंने एक मॉडर्न और आत्मविश्वासी लड़की का किरदार निभाया, जो उस दौर के हिसाब से काफी नया और अलग था। इसी तरह, 'तुमसे अच्छा कौन है' और 'अनजाना' जैसी फिल्मों में उन्होंने पारिवारिक और रोमांटिक किरदारों को खूबसूरती से निभाया।उनकी जिंदगी का अहम पड़ाव साल 1971 में आया, जब उन्होंने रणधीर कपूर के साथ फिल्म 'कल आज और कल' में काम किया। इस फिल्म में उन्होंने एक मॉर्डन युवती का किरदार निभाया। इसी फिल्म के दौरान दोनों के बीच प्यार हुआ और बाद में उन्होंने शादी कर ली। शादी के बाद बबीता ने फिल्मों से दूरी बना ली। कपूर परिवार की परंपरा के कारण उन्होंने अपने करियर को छोड़ दिया और परिवार को प्राथमिकता दी। उन्होंने अपनी बेटियों करिश्मा कपूर और करीना कपूर खान की परवरिश पर पूरा ध्यान दिया और उन्हें सफल अभिनेत्री बनने में मदद की।

प्रचार

सूरी विधानसभा सीट से सीपीआई एम उम्मीदवार मोतीउर रहमान सोमवार को बीरभूम जिले में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार करते हुए।

बीजेस द्वारा विद्यार्थियों के लिए साइकोमेट्रिक टेस्ट और करियर काउंसलिंग सेशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

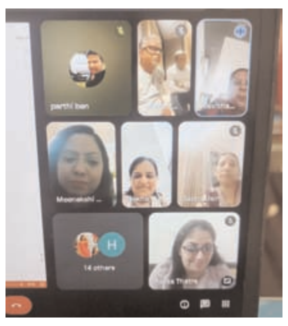

कोयम्बटूर। बीजेस कोयम्बटूर शाखा ने कोयम्बटूर में 12 से 17 साल के छात्र और छात्राओं के लिए एक बड़ा ऑनलाइन साइकोमेट्रिक टेस्ट और करियर काउंसलिंग सेशन सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस प्रोग्राम को एकेडेमिशियन, यूपी एससी ट्रेनर और बीजेस स्टेट हेड करियर गाइडेंस कविता कवाड़ ने लीड किया और इसे करियर मंत्रा की फाउंडर मीनाक्षी जैन ने आयोजित किया। इस कार्यक्रम का मकसद छात्र छात्राओं को साइंटिफिक और स्ट्रक्चर्ड अप्रोच के ज़रिए अपनी ताकत, काबिलियत और भविष्य के करियर पाथ के बारे में मार्ग दर्शन हासिल करने में मदद करना था। यह आयोजन कमल किशोर तातेड राजेश पोखरणा धर्मेंद्र श्रीश्रीमाल, राकेश गोलेछा सपना लोढ़ा और रेखा रांका की देखरेख में हुआ, जिन्होंने बीजेस के कार्यक्रम को सफलता पूर्व आयोजित करने करने में अहम रोल निभाया।

अनेक छात्र छात्राओं ने ऑनलाइन साइकोमेट्रिक असेसमेंट में जोश के साथ हिस्सा लिया, जिसमें उनकी स्किल्स, इंटरेस्ट और खट लेवल को बढ़ाने के नयी आधुनिक तकनिकी का सहारा लिया गया। नतीजों के आधार पर, हर विद्यार्थी के लिए विस्तृत रिपोर्ट बनाई गईं, जिससे उनके पोटेंशियल के बारे में गहरी जानकारी मिली। रिपोर्ट की पूरी ब्रीफिंग की गई, जिसके बाद पर्सनलाइज़्ड वन-ऑन-वन काउंसलिंग सेशन हुए। इन सेशन ने स्टूडेंट्स और पेरेंट्स को नतीजों को समझने में मदद की और उन्हें सोच-समझकर एकेडमिक और करियर के फैसले लेने में गाइड किया। इस प्रोग्राम को पेरेंट्स और स्टूडेंट्स दोनों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला, जिससे यह कम्युनिटी में स्ट्रक्चर्ड करियर गाइडेंस की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुआ।

संतों की सेवा करना व उनकी देखभाल करना हो हमारा प्रथम कर्त्तव्य : विदेहमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शूले स्थित महावीर जैन भवन में विराजित आचार्यश्री रामलालजी के आज्ञानुवर्ती शिष्यश्री विदेह मुनि जी ने अक्षय तृतीया के मौके पर सोमवार को अपने प्रवचन में कहा कि अक्षय तृतीया का जैन धर्म में बहुत बड़ा महत्व है, लेकिन आजकल इसका संकुचित अर्थ कर दिया गया है। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर श्री ऋषभदेव के 13 माह के उपवास का पारणा राजा श्रेयांस कुमार के हाथों इक्षु रस से हुआ था, इसी परंपरा को कायम रखते हुए बहुत से श्रावक श्राविकाएं, दो साल तक एकांतर तप करते हैं। अक्षय तृतीया पर तपस्वी अपने तप का इक्षुरस से पारणा करते हैं। कुछ अज्ञानी श्रावक श्राविकाएं, अपने तपस्वी परिवारजन और रिश्तेदारों को इक्षुरस से पारणा कराते हुए समझते हैं कि उनका कल्याण हो गया। वास्तव में साधु साध्वियों को निर्दोष आहार-पानी प्रदान करना मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। इससे पहले मुनिश्री उतमजयजी ने मनुष्य भव के महत्ता पर प्रकाश डाला। ङ्ग शूले संस्कार महिला मंडल की मंत्री चंचलबाई चोपड़ा ने बताया कि विगत कई वर्षों से श्री विदेह मुनि जी की तेले की तपस्या गतिमान है। इस मौके पर शूले संघ के अनेक पदाधिकारियों व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सभा का संचालन करते हुए शूले संघ के पूर्व मंत्री मनोहरलाल बंब ने कहा कि शूले की मुमुक्ष कविताबाई चोरड़िया के परिजनों ने उन्हें दीक्षा का आज्ञा पत्र प्रदान किया। ज्ञातव्य है कि मुमुक्ष कविता चोरड़िया की दीक्षा जैनाचार्यश्री हीरामुनिजी के सान्निध्य में सम्पन्न होगी।

सेवा संघ द्वारा सेवा कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। श्री वर्धमान जैन सेवा संघ(कोयंबटूर)के चेयरमैन महेंद्र रांका की अध्यक्षता में तेप्पकुलम स्थित स्थानीय राजकीय प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में श्री वर्धमान जैन सेवा संघ(कोयंबटूर)के तत्वाधान में 74वाँ श्रमण संघ स्थापना दिवस मनाया गया। संचालन संघ के निवर्तमान अध्यक्ष नेमीचंद लोढ़ा करते हुए कहा कि आगामी शैक्षणिक सत्र में सेवा संघ विद्यालय के अनेक कार्यों को मूर्त रूप देने जा रहा है,सेवा संघ विद्यालय के खेल कूद प्रतियोगिताओं को बड़े स्तर पर मनाने जा रहा है। संघ संस्थापक राजेश कुमार गादिया ने कहा कि आज पूरे देश में उत्सव का माहौल है एक तरफ अक्षय तृतीय और एक तरफ जैन समुदाय का सबसे बड़ा संघ श्रमण संघ का स्थापना दिवस भी है जिस संघ ने एकता के नए मार्ग का निर्माण किया, सम्पूर्ण जैन समाज का सबसे विराट संघ श्रमण संघ है। जैन जगत के इस पावन पर्व जो सेवा संघ का भी 12वां स्थापना दिवस है, सेवा संघ विद्यालय के कई योजनाओं को मूर्त रूप दे चुका है वैसे ही आगे भी नए प्रकल्पों को पूर्ण करता रहेगा। विद्यालय के अध्यापिकाओं को आगामी ग्रीष्मकालीन छुट्टियों को देखते हुए बालक बालिकाओं को प्रैक्टिस बुक्स, इन्डोर गेम्स आदि प्रदान किए गए जिससे छुट्टियों को विद्यार्थियो द्वारा सार्थक किया जा सके। प्राचार्य सेलिन सेसिलिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मदुरै में वर्षीतप पारणा पूरी श्रद्धा से हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। मंदिरों की नगरी मदुरै में साध्वी श्री सौम्यलता श्रीजी म.सा. की शिष्या साध्वी श्री ऋषिरत्नाश्रीजी म.सा. के तृतीय वर्षीतप पारणा महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री सुमतिनाथ जैन नया मंदिर ट्रस्ट के सान्निध्य में तीन दिवसीय भव्य धार्मिक कार्यक्रम श्रद्धा एवं भक्ति के साथ सम्पन्न हुए। इस अवसर पर साध्वी श्रीजी ने मदुरै सकल जैन संघ को अत्यंत सक्रिय बताते हुए जैन समाज की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

आराधना भवन में आयोजित कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र चोपड़ा एवं हितेश सदानी ने संयुक्त रूप से किया। पारणा अवसर पर गोलेच्छा परिवार सहित समस्त जैन संघ के परिवारों ने श्रद्धापूर्वक इक्षु रस (गन्ने के रस) से साध्वी श्रीजी का पारणा करवाकर अपने आपको धन्य महसूस किया। इस आयोजन के लाभार्थी बाबूलाल कुंदनमल गोलेच्छा (सुपर ग्रुप) परिवार रहे। कार्यक्रम में नगर के अनेक गणमान्य नागरिक एवं सकल जैन समाज की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही।

जो व्यक्ति और समाज को सही दिशा दे, वही सच्चा ज्ञान : ब्रह्मर्षि भानुप्रताप

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के चिकपेट स्थित राघवेंद्र मठ भवन में आखिरी दिन के प्रवचन में सोमवार को ग्वालियर के बालाजी मठ मंदिर धार्मिक एवं पुण्यार्थ लोक न्यास के अध्यक्ष ब्रह्मर्षि भानुप्रताप दुबे ने अपने प्रवचन में कहा कि असली ज्ञान का मतलब केवल किताबों की जानकारी नहीं बल्कि ऐसा ज्ञान जो व्यक्ति और समाज दोनों के जीवन को सही दिशा दे, समस्याओं का समाधान करे और मानवता को बढ़ाए। असली ज्ञान वह पूंजी है जो सत्य, अनुभव और विवेक पर आश्रित रहता है। उन्होंने कहा कि 'अंधविश्वास से दूर रहने वाली सोच' समाज को प्रगति की ओर ले जाती है। यह जीवन सुनी सुनाई बातों या अंधविश्वास पर नहीं चलता बल्कि जीवन व समझ तर्क और आत्मचिंतन से पैदा होता है जिसके पांच स्वरूप हैं। प्रथमज्ञान आत्मज्ञान है, जब व्यक्ति अपने मन विचार और कर्म को समझता है तभी वह सही निर्णय ले पाता है, भारतीय दर्शन में आत्मज्ञान को सबसे ऊंचा माना गया है। दूसरा है व्यावहारिक ज्ञान जो रोज़मर्रा की जिंदगी में काम आता है। तीसरा ज्ञान है नैतिक और सामाजिक ज्ञान जिससे सही-गलत की पहचान ईमानदारी सेवाभाव से होती है। चौथा ज्ञान वैज्ञानिक सोच होता है अर्थात तथ्यों और प्रमाणों पर विश्वास करना। पंचम ज्ञान आध्यात्मिक ज्ञान जो मन को शांति प्रदान करता है और व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाता है परन्तु यह तभी उपयोगी है जब यह अंधविश्वास नहीं, बल्कि सच्चाई और अनुभव पर आधारित हो।

प्रो. मूर्ति एसआरएम स्कूल ऑफ लॉ के प्रो वाइस-चांसलर (कानून) नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रोफेसर वाई.एस.आर. मूर्ति को एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के स्कूल ऑफ लॉ के प्रो वाइस-चांसलर के रूप में नियुक्त किया गया है। प्रो. मूर्ति एक सिविल सेवक एवं शिक्षाविद है उनके पास उच्च शिक्षा, मानवाधिकार, मीडिया और गैर-सरकारी संगठनों के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चार दशकों से अधिक का समृद्ध और विविध अनुभव है। प्रो मूर्ति वर्ष 2020-24 के दौरान बेंगलूरु स्थित आरवी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ के संस्थापक वाइस-चांसलर और संस्थापक डीन रह चुके है । इसके साथ ही वह असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर के रूप में भी कार्य कर चुके है डॉ।मूर्ति ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के शीर्ष नेतृत्व दल के सदस्य के रूप मे प्रोफेसर, रजिस्ट्रार, कार्यकारी निदेशक (सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स स्टडीज) और इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन रिसर्च एंड कैपेसिटी बिल्डिंग में सीनियर फेलो के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं है। 1985 बैच के आईएएस एवं संबद्ध सेवाओं के अधिकारी के रूप में, डॉ. मूर्ति ने वित्त मंत्रालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रपति सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय में कई महत्वपूर्ण और संवेदनशील पदों पर कार्य किया है। उन्होंने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में 12 वर्षों से अधिक समय तक विभिन्न भूमिकाओं में सेवा दी, जिसमें शोध निदेशक का पद भी शामिल है। इस दौरान उन्हें भारत के पांच पूर्व मुख्य न्यायाधीशों न्यायमूर्ति एम.एन. वेंकटचलैया और न्यायमूर्ति जे.एस. वर्मा, के साथ कार्य करने का अवसर भी प्राप्त है। उन्होंने मद्रास विश्वविद्यालय से सांख्यिकी में स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्री, लंदन विश्वविद्यालय से मानवाधिकार में एम.ए. और चेन्नई स्थित तमिलनाडु डॉ. अंबेडकर लॉ यूनिवर्सिटी से पीएच.डी. प्राप्त की है।

मैलापुर संघ ने हैदराबाद में किए गुरुदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री वर्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन संघ, मैलापुर का प्रतिनिधि मंडल द्वारा सोमवार को हैदराबाद स्थित श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमणोपासक संघ (रामकोट) में अत्यंत श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ पावन गुरुदर्शन हेतु उपस्थित हुआ। इस पावन अवसर पर परम पूज्य उपप्रवर्तक श्रुतमुजी म.सा. के सानिध्य में अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव तथा उनके 25वें दीक्षा वर्ष के उपलक्ष्य में मंगलमय शुभकामनाएँ अर्पित की गईं। साथ ही, अक्षरमुनिजी म.सा. की अक्षय तृतीया तपस्या की भावपूर्ण अनुमोदना भी की गई। गुरुदेव के श्रीचरणों में वंदन करते हुए प्रतिनिधि मंडल को यह मंगलमयी जानकारी प्राप्त हुई कि चेन्नई नगर प्रवेश कोडम्बक्कम-वडपलनी क्षेत्र में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा, जिसकी तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी।

मैलापुर श्री संघ का चातुर्मास प्रवेश कार्यक्रम दिनांक 19 जुलाई रविवार को त्रिप्लिकेन स्थित नवरतनमल, आनंद, राजेश एवं दिनेश चोपड़ा के निवास स्थान से प्रारंभ होकर सुबह जैन स्थानक, मैलापुर में गुरुदेव के मंगल प्रवेश के साथ संपन्न होगा। इस प्रतिनिधि मंडल में संघ के अध्यक्ष शांति चोरड़िया, मंत्री विमलचंद खाबिया, कोषाध्यक्ष इंदरचंद कांकलिया, धर्मचंद चोरड़िया, दिलीप राका, सिद्धार्थ रूणवाल, किशोर मूथा, कांतीलाल कांकलिया, कुसुमलता चोरड़िया एवं रेनू चोरड़िया सहित अनेक श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। उक्त जानकारी संघ के मंत्री विमलचंद खाबिया द्वारा प्रदान की गई।

वर्षीतप अनुमोदना — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में त्रिपुरावासिनी सभागार में सोमवार को आयोजित वर्षीतप पारणा महोत्सव में उदारमना भंवरीबाई घेवरचंद सुराणा व गोडवाड़ क्षेत्र के वरकाणा पार्श्वनाथ जैन देवस्थान पेढ़ी के अध्यक्ष रमेशकुमार कोठारी ने चतुर्थ वर्षीतप आराधना की तपस्वी मनीषा महीपाल सुराणा से मुलाकात कर तप की अनुमोदना की।

कोयम्बटूर में हुए वर्षीतप के पारणे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। सोमवार को यहां गलोबस नक्षत्रा भवन में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी म. सा. के सान्निध्य में वर्षीतप के पारणे आयोजित हुए। साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी ने ओम् ऋषभाय नमः के जप से कार्यक्रम की शुरूआत की। ग्लोबस नक्षत्रा महिला मण्डल की सदस्यों द्वारा सुमधुर मंगलाचरण की प्रस्तुति हुई। तत्पश्चात तेरापंथ सभा के अध्यक्ष देवीचंद मंडोत ने तपस्वी बहनों एवं परिषद में पधारे सभी का स्वागत अभिनंदन किया। महिला मंडल की अध्यक्ष रूपकला भंडारी, तिरुपुर से विनोद भंसाली, उपासिका बहन सुशीला बाफना, साध्वीश्री दीक्षा प्रभाजी के भाई वैभव ने अपनी भावपूर्ण भावाभिव्यक्ति दी। कार्यक्रम के दौरान मुमुक्षु संयम बाफना ने भी कहानी के माध्यम से अभिव्यक्ति दी व तत्पश्चात तेरापंथ सभा कोयंबटूर द्वारा मुमुक्षु संयम बाफना का माला एवं शॉल से अभिनंदन किया गया। साध्वी श्री दीक्षा प्रभा जी के वर्षीतप के उपलक्ष में साध्वी प्रमुखा विश्रुतविभा जी का संदेशवाचन तेरापंथ सभा के उपाध्यक्ष धनराज सेठिया ने किया।

साध्वीश्री मलयशाजी, साध्वीश्री आस्थाप्रभा जी एवं साध्वीश्री दीक्षाप्रभा जी ने मधुर गीतिका का संगान किया। साध्वी सिद्ध प्रभाजी ने अक्षय तृतीया के महत्व को बताते हुए भगवान ऋषभ के जीवन पर उपदेश दिया। साथ ही साध्वी श्रीजी ने प्रेरणा दी कि वर्षीतप मोबाइल के त्याग के द्वारा, प्रतिदिन स्वाध्याय, प्रतिदिन मौन का भी किया जा सकता है।

संचालन साध्वी श्री आस्था प्रभा जी ने किया। तिरुपुर से पधारी तपस्वी सुमन सुराणा का दूसरा वर्षीतप एवं कोयंबटूर से रेखा बुरड ने प्रथम वर्षीतप का पारणा किया। साध्वीश्री दीक्षा प्रभाजी का भी प्रथम वर्षीतप का पारणा सानंद संपन्न हुआ।

बाहरी लोगों को गोवा का सांप्रदायिक सद्भाव नहीं बिगाड़ने देंगे : सावंत

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोमवार को कहा कि बाहरी लोगों को राज्य के सांप्रदायिक सद्भाव को भंग करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। मुख्यमंत्री का यह बयान दक्षिणपंथी कार्यकर्ता गौतम खट्टर द्वारा गोवा के संरक्षक संत माने जाने वाले सेंट फ्रांसिस जेवियर के खिलाफ की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से उपजे विवाद के बीच आया है।

'वॉइसक्राफ्ट पब्लिक स्पीकिंग' कार्यशाला का दीक्षांत समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) साउथ बेंगलूरु लेडीज़ विंग द्वारा जीतो कार्यालय में सात दिवसीय कार्यशाला 'वॉइसक्राफ्ट, मास्टर दि आर्ट ऑफ पब्लिक स्पीकिंग' का दीक्षांत समारोह रविवार को सम्पन्न हुआ, जिसमें 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह ग्रेजुएशन अंत नहीं बल्कि एक नई शुरुआत है, जहां से प्रतिभागी अपनी आवाज के माध्यम से प्रभाव और परिवर्तन लाएंगे। साउथ के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने कहा कि आज की पीढ़ी बाहरी दिखावे और आकर्षण में अधिक उलझी हुई है और उसके परिणामों को समझना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवतियों को सही दिशा देना और उन्हें जागरूक बनाना समय की आवश्यकता है। साउथ चैप्टर के संयुक्त कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाड़िया ने भी विचार व्यक्त किए। फैकल्टी सदस्य मुकेश भंडारी ने प्रतिभागियों को नेत्र संपर्क, वॉइस मॉड्यूलेशन और प्रस्तुति कौशल जैसे विषयों पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्पष्ट लक्ष्य और दृढ़ संकल्प के साथ किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है।ङ्गङ्गइस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित आईआरएएस अधिकारी अजय जैन ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी ज्ञान और जागरूकता को नई दिशा दे रही है। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब उनके क्षेत्र से सिविल सेवा में बहुत कम प्रतिनिधित्व था।

अग्रवाल समाज ने पेयजल सुविधा के लिए बाँटे 8 वाटर फिल्टर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के अग्रवाल समाज कर्नाटक ने सोमवार को सुबह जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में पेयजल सुविधा के लिए कूलर वॉटर फिल्टर बांटे। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल, उपाध्यक्ष संजय जालान, कोषाध्यक्ष अंकित मोदी, युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया की उपस्थिति में 2 वाटर फिल्टर एक विद्यालय के लिए एकल युवा के अध्यक्ष प्रितेश बुरड़, विकास एवं रचना डालमिया को सुपुर्द किए एवं 6 वाटर फिल्टर वाणी विलास गवर्नमेंट अस्पताल में रोगियों को शुद्ध जल उपलब्ध कराने के लिए दिए गए। इस अवसर पर समाज के जयप्रकाश गुप्ता, सुरेश कुमार मोदी, अशोक हिंसारिया, सुरेन्द्रलाल गोयल, विक्रम अग्रवाल, राजेन्द्र प्रसाद गोयल, सुभाष गोयल, सहित कई लोग उपस्थित थे।

छाछ वितरण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में कोयम्बटूर डिस्ट्रिक्ट इलेक्ट्रिकल ट्रेडर्स एसोसिएशन द्वारा छाछ वितरण का कार्यक्रम रखा गया। अनेक व्यापारी एवं सदस्यों ने छाछ वितरण कार्यक्रम में भाग लिया और अपना सहयोग दिया। एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रीधर, सचिव निर्मल कुमार, कोषाध्यक्ष अरुमुगम और उपाध्यक्ष राजा गोपाल एवं अन्य कार्यकर्ता सदस्य छाछ वितरण कार्यक्रम में उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.